03 मार्च 2025
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

गोपालगंज में हनुमंत कथा सुनाने आ रहे बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री

2

पुनर्मिलन का संगम बना महाकुंभ... अपनों से मिलाए गए मेले में बिछड़े 50 हजार से ज्यादा लोग

- डिजिटल खोया-पाया केंद्र ने 35 हजार से अधिक बिछड़ों का कराया पुनर्मिलन
- निजी संस्थाओं का भी मिला सहयोग, भूले भटके शिविरों ने 19 हजार से अधिक महिला, पुरुष और 18 बच्चों को अपनों से मिलाया

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुम्भ 2025 अपने दिव्य ,भव्य और सुव्यवस्थित स्वरूप के साथ 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व उपस्थिति से ऐतिहासिक आयोजन बन गया। संगम के तट पर आयोजित प्रयागराज महाकुम्भ में

144 साल बाद बने पुण्य संयोग में देश दुनिया से श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ा। इस जन सैलाब के कारण कई लोग कुछ पलों के लिए अपनों से बिछड़ गए, लेकिन योगी सरकार की दूरदर्शिता और बिछड़ों को अपनों से मिलाने के लिए किए गए प्रयासों की मदद से महाकुम्भ के इस विराट मेले में कुल 54,357 लोगों को उनके परिवारों से मिलाने में सफलता मिली है। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। यही नहीं पुलिस द्वारा देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए श्रद्धालुओं का उनके परिवारों से सफलतापूर्वक पुनर्मिलन कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना

इस दिव्य आयोजन को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने कई अनुकरणीय पहल कीं, जो उपयोगी साबित हुई। इस बार महाकुम्भ में खोए हुए लोगों को शीघ्रता से उनके परिवारों से मिलाने के लिए योगी सरकार ने डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना की। महाकुम्भ में इनसे 35 हजार से श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया। अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति पर्व (13, 14 और 15 जनवरी) को खोए हुए 598 श्रद्धालु, मौनी अमावस्या के दौरान (28, 29 और 30 जनवरी) 8725 लोगों और बसंत पंचमी (2, 3 और 4 फरवरी) को डिजिटल खोया-पाया केंद्र की मदद से 864 लोगों को उनके परिवारों से मिलवाया गया। इसके अलावा अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में खोए हुए 24,896 लोगों का भी उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया। इस तरह महाकुम्भ के समापन पर 35,083 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

घरों तक पहुंचाने में भी की गई मदद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर संपूर्ण महाकुम्भ क्षेत्र में 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए। इनमें अगर अत्याधुनिक एआई आधारित चेहरा पहचान प्रणाली, मशीन लर्निंग और बहुभाषीय समर्थन जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं का संगम देखने को मिला तो वहीं गैर सरकारी सामाजिक संस्थाओं के प्रयास में मानवता और सेवा का अद्भुत मेल देखने को मिला। इनमें सबसे पुराना भारत सेवा केंद्र एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति भी शामिल हैं। भारत सेवा केंद्र के भूले भटकों के शिविर के संचालक उमेश चंद्र तिवारी के मुताबिक, महाकुम्भ के समापन तक शिविर ने 19,274 बिछड़े महिला और पुरुष को अपनों से मिलाया। इसके अलावा कुम्भ मेले में बिछड़ गए सभी 18 बच्चों को भी उनके परिजनों से मिलाया गया। शिविर के माध्यम से न सिर्फ खोए हुए लोगों को खोजा गया, बल्कि उनके घरों तक पहुंचाने में भी मदद की गई।

खबरें फटाफट

उप राष्ट्रपति ने सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण पर जताई चिंता

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को भारत में पैसे देकर और सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण पर चिंता जताई। उन्होंने सभी से सतर्क रहने और इन प्रयासों को रोकने का आग्रह किया। भारतीय विचार केंद्र की ओर से आयोजित चौथे पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान में धनखड़ ने कहा कि जनसांख्यिकी में बदलाव स्वाभाविक और प्राकृतिक होना चाहिए। अगर अस्वाभाविक परिवर्तन होते हैं, तो हमें सतर्क रहना चाहिए। धनखड़ ने आरोप लगाया कि धर्मांतरण विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें लुभावने प्रस्ताव, प्रलोभन, जरूरतमंदों और कमजोरों तक पहुंचना, समर्थन प्रदान करना और फिर धीरे-धीरे धर्म परिवर्तन का सुझाव देना शामिल है। उन्होंने कहा कि लोगों की तकलीफ, मुश्किलों या जरूरतों का उपयोग धर्मांतरण के लिए करना अस्वीकार्य है। देश सभी को अपना धर्म चुनने की स्वतंत्रता देता है, लेकिन अगर इस अधिकार के साथ छेड़छाड़ की जाती है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। रोजगार, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों पर दबाव डालते हैं अवैध प्रवासी'
उप राष्ट्रपति ने कहा कि धर्मांतरण देश के प्रति दुर्भावना है।

आज पेश होगा बिहार का बजट, तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार से की मांग

गरीब महिलाओं को हर माह 2500 रु. और सभी को 200 यूनिट फ्री बिजली दे सरकार

- तेजस्वी ने किया दावा... अगर आगामी चुनाव में राजद की सरकार बनती है, तो हर गरीब महिला को 2500 रुपये प्रति माह दिया जाएगा और 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त होगी, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में नीतीश कुमार सरकार सोमवार को अपना आखिरी बजट पेश करने जा रही है, इससे पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने गरीब महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह और 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग की है. विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि पिछले 20 वर्षों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि नहीं बढ़ाई गई है। उन्होंने मांग की कि 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को मिलने वाली पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये की जाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि गरीब और वंचित वर्ग की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलना चाहिए और राज्य के सभी उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की कि इन घोषणाओं को बजट में शामिल किया जाए।

तेजस्वी यादव ने कहा, 'अगर आगामी चुनाव में राजद की सरकार बनती है, तो हर गरीब महिला को 2500 रुपये प्रति माह दिया जाएगा और 200 यूनिट बिजली मुफ्त होगी. युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि राजद ने हमेशा अपने चुनावी वादों को पूरा किया है।

तेजस्वी का तंज... पीएम मोदी अब 365 दिन मखाना खाएंगे

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी अब 365 दिन मखाना खाएंगे। तेजस्वी के इस बयान के बाद भाजपा नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे बिहार और मिथिला के किसानों का अपमान बताया। बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी यादव के इस बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि मखाना सिर्फ बिहार की पहचान नहीं, बल्कि मिथिला क्षेत्र की प्रतिष्ठा भी है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार के किसानों की मेहनत से मखाना दुनिया भर में प्रसिद्ध हो चुका है, ऐसे में इस पर मजाक बनाना अनुचित है।

आरक्षण को 50% से बढ़ाकर 65% करने की मांग

राजद नेता ने यह भी कहा कि पिछली महागठबंधन सरकार ने बिहार जातीय सर्वे के आधार पर आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया था लेकिन बीजेपी ने इस फैसले को कोर्ट में चुनौती देकर इसे कानूनी पचड़ों में फंसा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'बीजेपी हमेशा आरक्षण खत्म करने का काम करती है। हम चाहते हैं कि 65 प्रतिशत आरक्षण को फिर से बहाल किया जाए। तेजस्वी यादव के मुताबिक, इस फैसले के लागू न होने से एससी/एसटी, ओबीसी और ईबीसी वर्गों के उम्मीदवारों को 16 प्रतिशत आरक्षण का नुकसान हो रहा है।

बिहार को केंद्र से नहीं मिला पूरा हक: तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि 2025-26 के केंद्रीय बजट में बिहार को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने दावा किया कि बिहार के लोग आने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को करारा जवाब देंगे।

जदयू ने तेजस्वी के बयान पर किया पलटवार

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में बिहार का बजट महज 23 हजार करोड़ रुपये का था, किन्तु आज वही बजट का आकार करीब तीन लाख करोड़ रुपये का हो चुका है। रविवार को बयान जारी कर कहा कि बजट पर नसीहत देने के बजाय तेजस्वी यादव को अपने पिता लालू प्रसाद यादव और माता राबड़ी देवी के 15 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब जनता को देना चाहिए। उमेश कुशवाहा ने तेजस्वी यादव को सलाह दी कि बजट पर नसीहत देने के बजाय वह अपनी पार्टी के नेतृत्व के कार्यकाल का रिकॉर्ड सामने रखें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए विभिन्न चरणों में 94 हजार रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि देती है। उद्योग स्थापित करने के लिये महिलाओं को 10 लाख की मदद की जाती है, जिनमें पांच लाख अनुदान और शेष पांच लाख रुपये बिना ब्याज के लोन दिये जाते हैं। तेजस्वी यादव महज 2,500 रुपये का झूठा झांसा देकर महिलाओं को बरगलाने में लगे हैं। जदयू प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कृपा से उपमुख्यमंत्री बने। अब, वह राजनीतिक गुगली फेंकने का प्रयास कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के किसानों को 5 रु में मिलेगा बिजली का स्थायी कनेक्शन

मध्य प्रदेश की सरकार ने किसानों को दिया तोहफा

एजेंसी/भोपाल

मध्य प्रदेश की सीएम मोहन यादव ने रविवार को किसानों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के किसानों को 5 रुपये में बिजली का स्थायी कनेक्शन मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यह योजना मध्य क्षेत्र में सबसे पहले लागू की जाएगी। इसके बाद पश्चिम क्षेत्र में इसका विस्तार होगा। सीएम राजधानी भोपाल में आयोजित किसान सम्मान आभार सम्मेलन में को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा- सरकार इस बजट में किसानों को सोलर पंप के माध्यम से बिजली के झंझट से मुक्त करने की प्लानिंग कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में 30 लाख सोलर पंप दिए जाएंगे। सीएम ने कहा कि सोलर एनर्जी उत्पादन करने वाले किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। अभी खेतों के लिए स्थायी बिजली का कनेक्शन लेने के लिए किसानों को मोटी रकम देने पड़ती है।

मध्य प्रदेश में खेती के लिए किसानों को को स्थायी और अस्थाई कनेक्शन मिलता है। स्थायी कनेक्शन लेने वाले के लिए किसानों को कम से कम 7500 रुपये देने पड़ते हैं। सीएम ने कहा कि- मध्य प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और यहां किसानों की ही सरकार है। किसानों की बिजली आवश्यकता को पूरा करने के उन्हें मात्र 5 रुपये मी बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। कंपनी दर कंपनी इसको अलग क्षेत्रों से होते हुए पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को इसके लिए व्यवस्था करने और तत्काल लागू करने के लिए निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि 2003 तक प्रदेश में गेहूं खरीदी का सरकारी दाम मात्र 447 रुपये था, जिसे बढ़ाकर हमने 2600 रुपए तक पहुंचाया है। धान उपार्जन करने वाले किसानों को भी इसी सत्र से उनकी फसल का दाम 4000 रुपये क्विंटल मिलने लगेगा।

किसानों से दूध खरीदने पर देगी अतिरिक्त बोनस

सीएम यादव ने इस दौरान यह भी ऐलान किया कि पशुपालक किसानों से दूध खरीदने पर सरकार उन्हें अतिरिक्त बोनस देगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में दूध का उत्पादन वर्तमान में 9 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया जाएगा। यह कदम किसानों की आय बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

मार्च से ही पड़ सकती है झुलसा देने वाली गर्मी

एजेंसी/पटना

बिहार में मार्च से ही झुलसा देने वाली गर्मी पड़ सकती है। प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम भाग (बक्सर, आरा, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल जिलों) के कुछ जिलों में लू चलने की संभावना है। इसको लेकर मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जारी किया है। पूवार्नुमान के अनुसार बिहार का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा, जबकि मार्च में प्रदेश का सामान्य अधिकतम तापमान 30 से 33 डिग्री और सामान्य न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। इतना ही नहीं फरवरी में भी गर्मी ने पिछले पांच वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ा है। जिस कारण फरवरी में लोग पंखा और एसी चलाने को मजबूर हुए। वहीं एक मार्च से प्रदेश में प्री-मानसून सीजन शुरू होते ही पटना सहित सूबे के कई

जिलों में हल्के से मध्यम स्तर की बारिश हुई।

वहीं सोमवार से अधिकतम तापमान में वृद्धि होने का पूवार्नुमान है। राज्य में प्री-मानसून सीजन की अवधि 1 मार्च से 31 मई तक रहती है। सूरज के कर्क रेखा की ओर बढ़ने के कारण तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। प्रदेश का अधिकतम तापमान 28.9 से 33.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14.1 से 19.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया।

महिलाओं को 2500 रु. की सौगात की देने की तैयारी में दिल्ली सरकार

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली की भाजपा सरकार आठ मार्च को महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की योजना की शुरूआत कर सकती है। इसके लिए योजना शुरू करने से पहले विशेष कैबिनेट बैठक कर इसका प्रस्ताव पास किया जाएगा और इस पर उपराज्यपाल की औपचारिक सहमति ली जाएगी। योजना का लाभ पाने के लिए महिलाओं की पात्रता जैसी चीजों को लेकर प्रस्ताव की बारीकियों पर काम किया जा रहा है। सरकार ने अभी इस योजना के लिए महिलाओं से कोई आंकड़ा एकत्र नहीं किया है। अभी इसकी पात्रता के बारे में भी बहुत कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि सरकार आर्थिक तौर पर गरीब वर्ग की परिवार की प्रमुख महिला को यह सम्मान राशि देने की योजना बना सकती है। 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को वृद्धा पेंशन की कैटेगरी में आर्थिक सहायता दी जाती है।

उत्तर प्रदेश में विज्ञान पार्कों तथा नक्षत्रशालाओं की होगी स्थापना

नई 'दुनिया' के कौशल के लिए तैयार हो रहे यूपी के युवा

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार ने बीते साढ़े आठ सालों में कई ठोस कदम उठाए हैं। अब टेक्निकल एजुकेशन को और मजबूत करने के लिए सरकार नए और महत्वाकांक्षी कदम उठाने जा रही है। इसमें राजकीय पॉलिटेक्निक में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, स्मार्ट क्लासरूम, लैबोरेटरीज के अपग्रेडेशन से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए विशेष केंद्रों की स्थापना तक शामिल है। इसके अलावा, विज्ञान पार्क, साइंस सिटी और नक्षत्रशालाओं की स्थापना के जरिए युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की योजना है।

नवीन तकनीक से लैस होंगे सेंटर: प्रदेश में डिप्लोमा स्तर की 184 संस्थाएं संचालित हैं, जहां युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही 36 नए राजकीय पॉलिटेक्निक निमार्णाधीन हैं। सरकार ने अब तक 251 स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए हैं और नवीन तकनीक से लैस सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के लिए 100 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च करने की तैयारी कर रही है। स्मार्ट क्लासरूम और प्रयोगशालाओं के नवीनीकरण के लिए 10 करोड़ रुपये, जबकि एआई शिक्षा के लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के लिए 1 करोड़ रुपये योगी सरकार खर्च करेगी।

तकनीकी कौशल ही विकास की रीढ़

व्यवसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 1,90,064 सीटों पर युवाओं को विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें से 47 संस्थानों में महिलाओं के लिए विशेष शाखाएं और 12 स्वतंत्र महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। सरकार का मानना है कि तकनीकी कौशल ही आने वाले समय में देश और प्रदेश के विकास की रीढ़ बनेगा।

50 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित: प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित है, जिसमें आगरा में 25 करोड़ रुपये से साइंस सिटी और वाराणसी में 5 करोड़ रुपये से साइंस सिटी व नक्षत्रशाला की स्थापना शामिल है। योगी सरकार का लक्ष्य युवाओं को न केवल देश की इंडस्ट्रीज के लिए तैयार करना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर मांग वाले कौशल से भी जोड़ना है। इन प्रयासों से यूपी के युवा नई दुनिया में अपनी पहचान बनाने को तैयार हो रहे हैं।

गोपालगंज में हनुमंत कथा सुनाने आ रहे पंडित धीरेंद्र शास्त्री

♦ कार्यक्रम और सुरक्षा के लिए तैनात किए जाएंगे 2500 पुलिस के जवान

केटी न्यूज/पटना

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर से बिहार के गोपालगंज आ रहे हैं, जहां वह हनुमंत कथा कहेंगे। इसको लेकर भोरे प्रखंड के हुस्सेपुर पंचायत अंतर्गत रामनगर गांव स्थित राम जानकी मठ में प्रशासनिक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के आगमन और उनके कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के लिए 2500 पुलिस के जवान लगाए जा रहे हैं। खुद गोपालगंज के एसपी अवधेश कुमार दीक्षित रामनगर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल से लेकर आवागमन के रास्तों की जांच की। इसके बाद अधिकारियों के साथ बैठकर रूट चार्ट तैयार किया गया। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सुरक्षा आठ लेयर में होनी है, इसे लेकर भी मंथन किया गया। इधर, पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कुशीनगर जिले के सेवरही से कथा स्थल तक सड़क मार्ग से आएंगे। जिसकी सुरक्षा और उनके आने जाने के मार्ग को भी चिन्हित किया गया है।

राम जानकी मठ में छह से 10 मार्च तक कार्यक्रम

रामनगर के राम जानकी मठ में छह मार्च से 10 मार्च तक आयोजित हनुमंत कथा सुनाने बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आ रहे हैं। भोरे की धरती पर उनके आगमन को लेकर लोगों में गजब का उत्साह है, तो वहीं उनके भक्तों की भारी भीड़ होने की उम्मीद जताई जा रही है। इसे लेकर प्रशासन ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को रामनगर मठ पर एसपी ने जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस दौरान पांच दिनों तक भोरे मीरगंज मुख्य सड़क से कार्यक्रम स्थल तक के रूट चार्ट, पार्किंग स्थल पर गहन चर्चा की गई।

सभी लोग नीचे बैठकर सुनेंगे कथा, कोई वीआईपी नहीं: रामनगर में आयोजित हनुमंत कथा के मुख्य यजमान अजय राय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। जिसमें कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में कोई वीआईपी नहीं है, सभी लोग नीचे बैठकर कथा का रसपान करेंगे। उन्होंने बताया कि महाराज बागेश्वर धाम सरकार का निवास स्थान भी बनकर तैयार हो चुका है। जहां वे कथा के बाद रात्रि विश्राम करेंगे।

शर्मनाक... दरभंगा में कॉलेज गई छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या, आरोपी युवक गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

बिहार के दरभंगा में सिमरी थाना क्षेत्र के एक गांव से दरभंगा कॉलेज गई 18 वर्षीया छात्रा का अपहरण कर होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। हालत गंभीर होने पर उसे दरभंगा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान पीड़िता की मौत हो गयी। यह घटना शनिवार को बताई जा रही है, लड़की की मौत के बाद आरोपित युवक ने भागने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल के कर्मियों ने पकड़कर सिमरी पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में पीड़िता की मां ने सिमरी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है और आरोपी के रूप में सिमरी थाना क्षेत्र के जलवार निवासी 22 वर्षीय पृथ्वीराज, उसके पिता राजू पासवान एवं उसकी मां को नामजद किया गया है।

मृतका की मां ने आवेदन में कहा है कि उनकी पुत्री गत एक मार्च को घर से दरभंगा कॉलेज जाने के लिए निकली थी। रास्ते में आरोपित युवक उसे बहला फुसलाकर किसी होटल में ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद उसकी हालत गंभीर देख उसे दरभंगा के दिल्ली मोड़ के पास स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गया और वहां उसकी मौत हो गई। इधर, लड़की की मां ने पुलिस को बताया कि जब वह इस घटना की जानकारी आरोपी के मां-पिता को देने पहुंची तो उसके मां-पिता ने उनके साथ बदसलूकी की एवं मारपीट की। वहीं मृतका की मां ने आशंका व्यक्त की है कि आरोपित ने दुष्कर्म के बाद लड़की को किसी चीज में जहर मिलाकर खिला दिया होगा जिससे उसकी मौत हो गई है।

बेगूसराय के मटिहानी थाना का मामला, दारोगा समेत चार गिरफ्तार

थाने से चोरी हो गई जब्त कमांडर जीप, बदले में रख दी दूसरी कार

♦ सात फरवरी को चोरी की गई गाड़ी से हुई थी छात्रा की मौत, पुलिस ने जीप को जब्त कर थाना परिसर में किया था खड़ा

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां थाना परिसर के अंदर से ही जब्त की गई कमांडर जीप चोरी हो गई। इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामला मटिहानी थाना का है, जहां पुलिस द्वारा जब्त की गई कमांडर जीप को रातों-रात चोरी कर लिया गया और उसकी जगह दूसरी गाड़ी खड़ी कर दी गई। घटना के बाद जांच में जो खुलासा हुआ, वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। इस चोरी में कोई और नहीं बल्कि एक दारोगा और उसके तीन साथियों का ही हाथ निकला। पुलिस ने दारोगा समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ जारी है।

दरअसल, सात फरवरी को मटिहानी थाना क्षेत्र के बदलपुरा चौक के पास एक कमांडर जीप ने दो छात्राओं को टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हुई, जबकि 18 वर्षीय सिम्मी कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने उक्त कमांडर जीप को जब्त कर मटिहानी थाना परिसर में खड़ा कर दिया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि बेगूसराय नगर थाना में पदस्थापित दारोगा सुजीत कुमार, जो पहले मटिहानी थाना में चार वर्षों तक तैनात थे। वह अब भी वहीं के सरकारी आवास में रह रहे थे। उन्होंने अपने तीन सहयोगियों के साथ मिलकर इस चोरी को अंजाम दिया। सुजीत कुमार की मटिहानी थाना क्षेत्र के कई स्थानीय युवकों से अच्छी जान-पहचान थी। उन्हीं में से कुछ लोग, कारी सिंह, गोनू सिंह और प्राइवेट ड्राइवर मोहम्मद जाकिर के साथ मिलकर थाना परिसर में खड़ी जब्त गाड़ी को 12 फरवरी की रात चोरी कर वहां दूसरी गाड़ी खड़ी कर दी।

पुलिस की जांच में सीसीटीवी फुटेज से खुली चोरी की पोल

दरअसल, 15 फरवरी को जब पुलिस अधिकारियों को चोरी की जानकारी मिली, तो तत्काल डीएसपी भास्कर रंजन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें साफ-साफ दिखा कि दारोगा सुजीत कुमार अपने तीन साथियों के साथ मिलकर रात में थाना परिसर से जीप को धक्का देकर निकाल रहे हैं। जब सबूत हाथ लगे तो मटिहानी थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दारोगा सुजीत कुमार, कारी सिंह, गोनू सिंह और ड्राइवर मोहम्मद जाकिर को गिरफ्तार कर लिया। चारों को मटिहानी थाना हाजत में बंद कर दिया गया और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई।

थाने के अंदर ही चोरी, पुलिस पर उठे सवाल: थाना परिसर से जब्त गाड़ी की चोरी की यह घटना बेगूसराय पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। जिस जगह से आम जनता न्याय की उम्मीद रखती है, उसी जगह अगर जब्त वाहन चोरी हो जाए और उसमें पुलिसकर्मी ही शामिल हों, तो यह कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। वहीं, इस घटना से स्थानीय लोगों में भी रोष है। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस थाने से ही अपराध होने लगें, तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा।

चारों को जेल भेजने की तैयारी: इस पूरे मामले पर सदर डीएसपी भास्कर रंजन ने बताया कि सात फरवरी को बदलपुरा चौक पर हुए सड़क हादसे में जब्त की गई कमांडर जीप को 15 फरवरी की रात चोरी कर लिया गया। जांच में सामने आया कि नगर थाना में तैनात दारोगा सुजीत कुमार और उसके तीन सहयोगियों ने मिलकर इस चोरी को अंजाम दिया। चोरी करने के बाद थाने में दूसरी कमांडर जीप खड़ी कर दी गई ताकि किसी को शक न हो। अब चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

कांग्रेस प्रभारी बोले... सदाकत आश्रम की परिक्रमा करने वालों को नही मिलेगा टिकट

पटना। बिहार कांग्रेस प्रभारी ने टिकट पाने के लिए गणेश परिक्रमा करने वाले नेताओं को हड़काया है। उन्होंने बिहार के नेताओं को आईना दिखाते हुए कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 70 सीटें मिली थी। लेकिन हम सिर्फ 19 पर जीत सके। कृष्णा अल्लावरू ने साफ कहा कि अब ये नहीं चलेगा। सदाकत आश्रम की परिक्रमा करने वाले नेताओं को चिन्हित करेंगे, उन्हें टिकट नहीं मिलेगा। विधानसभा चुनाव में पार्टी उन्हें टिकट देगी जो जनता की परिक्रमा करते हों, जिनका जनाधार हो। उन्होंने कहा कि मैं यह विश्वास दिलाता हूं ओबीसी और ईबीसी का इस वर्ग की हिस्सेदारी में सुधार होगा। हर वर्ग की भागीदारी और हिस्सेदारी होनी चाहिए।

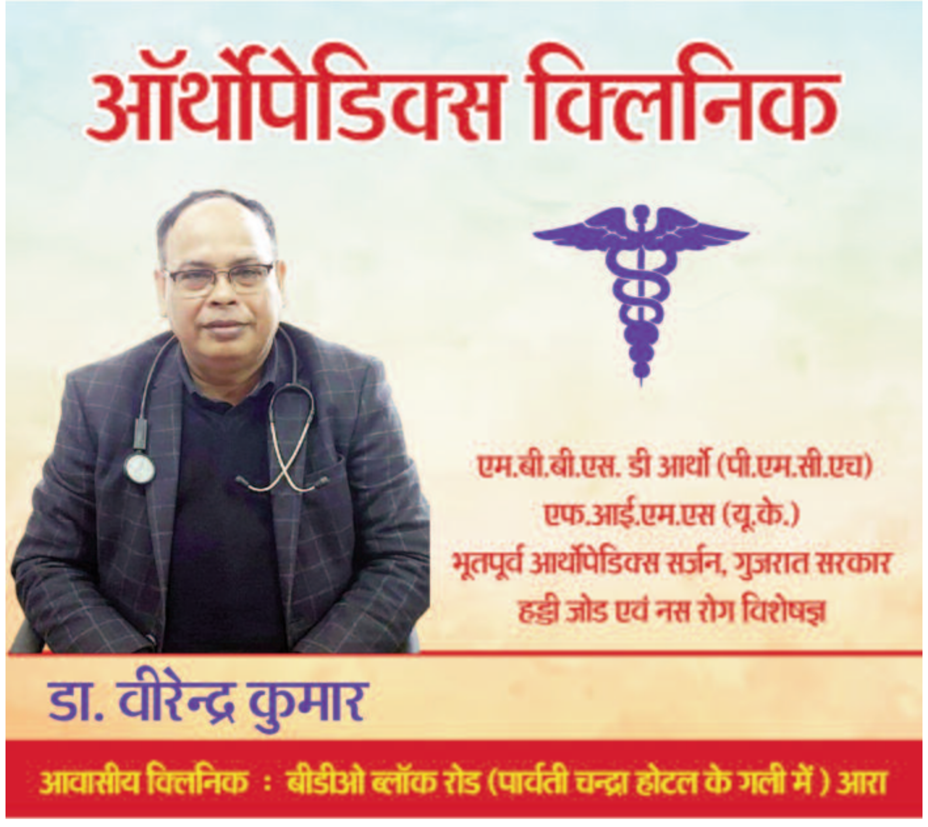

गेसिंग करने वाले 41 लोग पटना से गिरफ्तार

पटना। बिहार की राजधानी में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में अवैध तरीके से कर रहे गेसिंग करने वाले 41 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान गेसिंग के अड्डे से दो तलवार, कई कैलकुलेटर, दीवार में लगे चार्जशीट, पेन, कैश बुक सहित कई आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है। घटना गांधी मैदान थाना क्षेत्र के सालिमपुर अहरा के गली नंबर 2 की है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि कई दिनों से पुलिस को सूचना मिल रही थी कि गली नंबर 2 में अवैध गेसिंग खेलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और एसएसपी अवकाश कुमार के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की। पुलिस का कहना है कि छापेमारी के दौरान मुख्य सरगना वहां से फरार हो गया।

शेखपुरा पहुंचे पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर विनोद कांबली, प्रशंसकों से भोजपुरी में पूछा कइसन बा

केटी न्यूज/पटना

शेखपुरा के बरबीघा अंतर्गत एसकेआर कॉलेज के खेल मैदान में रविवार से स्वर्गीय विजय शंकर सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हो गया। चार साल बाद पुनः आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रहे विनोद कांबली के द्वारा किया गया। बरबीघा पहुंचते ही विनोद कांबली की एक झलक पाने के लिए क्रिकेट प्रेमी पागल दिखे। बरबीघा पहुंचने के बाद सबसे पहले उन्होंने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉक्टर श्री कृष्ण सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

विनोद कांबली खुली जीप से कॉलेज के खेल मैदान पहुंचे। उनके पीछे-पीछे हजारों लोगों की भीड़ चल रही थी। मंच पर पहुंचते ही सबसे पहले उन्होंने भोजपुरी में लोगों से पूछा कैसन बा? अपने संबोधन के दौरान उन्होंने अपने जीवन के कुछ बेहतरीन क्रिकेट के पलों को याद किया। भीड़ देखकर उन्होंने कहा कि सचमुच बिहार के लोग क्रिकेट के दीवाने हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि बिहार जाने पर लोग मुझे इतना प्यार और सम्मान देंगे। लोगों के प्यार से अभिभूत होकर उन्होंने बार-बार बिहार आने की इच्छा भी जताई। इसके बाद

मैदान में पहुंचकर उन्होंने फीता काटते हुए जमुई और मुंगेर के बीच खेले जा रहे उद्घाटन मुकाबले का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बैटिंग करने का प्रयास किया, लेकिन शारीरिक अस्वस्थता के चलते कर नहीं पाए।

कांबली के अलावे कई दिग्गज ने की शिरकत:

टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के तौर पर क्षेत्रीय विधायक सुदर्शन कुमार, लोजपा (रा.) के जिलाध्यक्ष इमाम गजाली, बॉलीवुड एक्टर अरमान ताहिल, भोजपुरी और मगही गायक गुंजन सिंह तथा समाजसेवी मनीष कश्यप भी शामिल हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में डिवाइन लाइट पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सुधांशु शेखर, संत मैरी के प्राचार्य प्रिंस पीजे, सुरेश सिंह, सियाराम सिंह, जयराम सिंह सहित काफी संख्या में समाजसेवी व प्रायोजक शामिल हुए।

बिहार विधान परिषद में मनी छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती

शिवाजी महाराज हम सभी के प्रेरणाश्रोत

केटी न्यूज/पटना

छत्रपति शिवाजी महाराज सेवा समिति द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती सह सम्मान समारोह बिहार विधान परिषद के उपसभागार, पटना में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. सुधीर पटेल ने कहा कि यह समिति पिछले 5 वर्षों से छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाती आ रही है और समाज के उत्थान के लिए अनेक कार्य कर रही है। डॉ. सुधीर पटेल ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य समाज को एकजुट करना और छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों को फैलाना है। उन्होंने कहा, हमने पटना के कंकड़बाग टेंपो स्टैंड पर छत्रपति शिवाजी की मूर्ति स्थापित की है, ताकि लोग उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें। आज बिहार के हर गली-चौराहे पर छत्रपति शिवाजी की चर्चा होती है और उनकी जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। समिति ने गरीबों की मदद, विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए सहायता और समाज के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए हैं। डॉ. पटेल ने कहा कि वे बिहार के सभी 38 जिलों में घूम-घूम कर छत्रपति शिवाजी की मूर्ति स्थापित करने का आह्वान करते रहते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बसंत बाबू और चंद्रिका प्रसाद (रिटायर्ड डीआईजी) वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विशिष्ट डॉ प्रकाश (पारस हॉस्पिटल), डॉ इंद्रा प्रकाश (एस पटना), प्रोफेसर उषा प्रसाद, विनय जी (एग्जीक्यूटिव ऑफिसर), अरुण कुमार (एग्जीक्यूटिव इंजिनियर) मौजूद थे। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज हम सभी के प्रेरणाश्रोत हैं।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। अमर कुमार (वैशाली) गुरुकुल चलाकर 2 हजार से अधिक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना। राजीव रंजन (नगर नौसा) सरकारी और निजी स्कूलों में अमरूद के पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का कार्य। गौतम कुमार (स्कूटी इंजीनियर) रू बापू सभागार और क्रिकेट स्टेडियम जैसे प्रमुख भवनों के आर्किटेक्ट। पूनम कुमारी रू कोरोना काल में निःशुल्क ऑक्सीजन सिलेंडर वितरण, स्वास्थ्य शिविर और दवाई वितरण जैसे कार्य। इसके अलावा स्किन सर्जरी में डॉ प्रियदर्शी रंजन, आर्थोपेडिक में डॉ अश्वनी पंकज, पैथोलॉजी में डॉ कमलेश कुमार समेत कई डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया।

मार्च में मनाए जाने वाले विभिन्न महोत्सव और दिवसों को लेकर जिलास्तरीय बैठक संपन्न

जिला स्थापना दिवस सभी जिलेवासियों का है कार्यक्रम, इसे दीपावली की तरह मनाएं: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

- ♦ जिलाधिकारी ने इन आयोजनों के सफल आयोजन को लेकर गणमान्य लोगों और पदाधिकारियों से लिए सुझाव
- ♦ इस माह होने वाले सभी कार्यक्रमों का पूरे जिले में कराया जाएगा प्रचार-प्रसार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, ब्रह्मपुर महोत्सव, विश्वामित्र महोत्सव, उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव, बक्सर जिला स्थापना दिवस एवं बिहार दिवस के सफल आयोजन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस दौरान जिले के गणमान्य लोगों और सभी पदाधिकारियों को विभिन्न आयोजनों से अवगत कराया गया। जिस लोगों के द्वारा सुझाव भी दिए गए। इस क्रम में जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बताया कि आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 10 मार्च को ब्रह्मपुर महोत्सव, 17 मार्च को बक्सर जिला स्थापना दिवस व विश्वामित्र महोत्सव, 21 मार्च को उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव व 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाएगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को नगर भवन में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न विधाओं में ख्याति प्राप्त व्यक्तियों एवं महिलाओं द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा। साथ ही, जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, बक्सर जिला स्थापना दिवस एवं बिहार दिवस के अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि बक्सर जिला का स्थापना दिवस न सिर्फ एक सरकारी कार्यकम है, बल्कि बक्सर के सभी जिलावासियों का कार्यकम है। उन्होंने सभी जिलावासियों से 17 मार्च को अपने घरों की साफ-सफाई करने और रात में घरों को दीपावली की तरह सुसज्जित करने का अपील की।

जिला स्थापना दिवस पर होंगी कई गतिविधियां : बैठक में निर्णय लिया गया कि बक्सर जिला स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प प्रखंड मुख्यालयों में प्रभात फेरी का आयोजन किया जाए। जिसमें सरकारी व निजी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया जाएगा। मैराथन दौड़ और साईकिल रैली के माध्यम से स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाएगा। साथ ही, कलेक्ट्रेट के नए सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए। वहीं, बक्सर जिला का बड़ा मानचित्र तैयार कर जिले के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धरोहरों को प्रदर्शित किया जाए। इसके अलावा बक्सर जिला के पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर भी विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।

राज हाई स्कूल में आयोजित होगा उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव : 10 मार्च 2025 को बीएन उच्च विद्यालय में ब्रह्मपुर महोत्सव, 17 मार्च को किला मैदान बक्सर में विश्वामित्र महोत्सव तथा 21 मार्च को राज हाई स्कूल में उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इन महोत्सवों में लोक नृत्य, नृत्य नाटिका, लोक संगीत,गजल से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों के लिए जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती को कार्यक्रम स्थल पर सिविल सर्जन बक्सर को निर्देशित किया गया कि कार्यक्रम स्थल पर फर्स्ट एड, एंबुलेंस व चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। साथ ही, जिला अग्निशमन पदाधिकारी कार्यक्रम स्थलों पर तैयार हालत में फायर टेंडर रखेंगे एवं अग्नि दलों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। वहीं, बक्सर व डुमरांव एसडीएम को कार्यक्रम स्थलों पर विधि-व्यवस्था संधारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दी गई।

बिहार दिवस पर आयोजित होंगी ये गतिविधियां

इस दौरान जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बिहार दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। जिसमें निर्णय लिया गया। बिहार दिवस के अवसर पर संध्याकाल में रामरेखा घाट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। वहीं, जिला मुख्यालय स्थित किला मैदान में में विभिन्न खेल विधाओं यथा-कबड्?डी, कुश्ती एवं रस्सा-कस्सी, महिला पहलवानी, महिला कुश्ती का आयोजन कराया जाएगा। जिसमें महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, शाम को नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाए। जिसमें संगीत, नृत्य शिक्षक, स्थानीय कलाकार व विद्यालय के चयनित छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। जिसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी प्रतिभागियों का चयन करेंगे। इन सब के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंर्तगत गजल गायक एवं भोजपुरी भाषा के गायक तथा लोक नृत्य का कार्यकम आयोजित किया जाएगा।

जिला स्थापना दिवस एवं बिहार दिवस के अवसर पर कार्यकमों के आयोजन की तय की गई रूपरेखा

- ➪ जिले के सभी कार्यालयों के प्रधान अपने-अपने सरकारी भवन व कार्यालयों को 17 मार्च से 22 मार्च (बिहार दिवस) तक नीली रौशनी से सजायेंगें। साथ ही बक्सर व डुमरांव नगर परिषद तथा चौसा, ब्रह्मपुर व इटाढ़ी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अपने क्षेत्रों के विभिन्न चौक-चौराहों पर स्थापित मूर्तियों एवं विभिन्न पार्कों की साफ-सफाई के साथ नीली रौशनी से सजावट करेंगे।
- ➪ सभी कार्यकमों का वृहद् प्रचार-प्रसार किया जाएगा एवं अधिक से अधिक ई-आमंत्रण पत्र के माध्यम से 12 मार्च तक निश्चित रूप से गणमान्य को आमंत्रित किया जाए। ताकि लोग समय से उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद उठा सकें। ई-आमंत्रण पत्र का प्रारूप बक्सर आईटी मैनेजर के द्वारा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के सहयोग से तैयार किया जायेगा।
- ➪ बक्सर, डुमरांव तथा अन्य स्थानों के चौक-चौराहों पर फ्लैक्स आदि सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कराया जाए।
- ➪ जिला मुख्यालय में पूरे शहर की साफ-सफाई करायी जाए तथा सभी कार्यालय प्रधान द्वारा भी अपने कार्यालय की साफ-सफाई कराएं।
- ➪ जिलाधिकारी ने जिला जन संपर्क पदाधिकारी को निर्देश दिया कि महोत्सव के आयोजन की सूचना दैनिक समाचार पत्रों में एवं सभी सरकारी कार्यालयों के माध्यम से प्रचार-प्रसार की जाए।
- ➪ सभी प्रखंडों के जनप्रतिनिधियों को भी कार्यकम के लिए आमंत्रित किया जाएगा। जिला के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कला, विज्ञान व खेल के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त प्रतिभावान व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

एक नजर

271वें सप्ताह भी जारी रहा गंगा सफाई अभियान

बक्सर। रुकेंगे नहीं, हम स्वच्छ करेंगे के संकल्प के साथ गंगा युवा समिति चौसा के तत्वधान में नगर पंचायत चौसा में मां गंगा की स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखने का अभियान अनवरत जारी है। समिति के संयोजक भरत पांडेय ने 271वें सप्ताह भी चौसा बाजार टोली घाट पर गंगा सफाई महाअभियान का नेतृत्व किया। भरत पांडेय, जो इस पवित्र अभियान के प्रति पूर्ण समर्पित हैं और अकेले ही गंगा की सफाई में जुटे रहते हैं। उनका उद्देश्य है कि मां गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखा जाए, क्योंकि यह सनातन धर्म की आध्यात्मिक और पौराणिक धरोहर है। उनका मानना है कि गंगा की रक्षा करना हर भारतीय नागरिक का दायित्व है। इस सफाई अभियान में मंगल देव पासवान, नीरज चौरसिया, श्रीराम चौधरी, लालजी चौधरी, पप्पू चौरसिया सहित अन्य सहयोगी भी उपस्थित रहे। सभी ने गंगा की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया और अभियान को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सरकारी स्कूलों में 60 फीसदी बना अपार आईडी, तेजी लाने का अधिकारियों ने दिया निर्देश

डुमरांव। शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के अपार (ऑनलाइन पब्लिक एकेडमिक रिकॉर्ड) आईडी बनाने का काम जारी है। लेकिन, इन विद्यालयों में बनाने वाली प्रक्रिया धीमी पड़ गयी है। विद्यालय इस महत्वपूर्ण काम में उदासीनता बरत रहे है। अब तक सरकारी विद्यालयों में इस अभियान के तहत 60 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। वहीं निजी स्कूल इस मामले में कोताही बरत रहे है। आईडी निर्माण में गति नहीं पकड़ने से विभाग ने सभी स्कूलों को तेजी लाने का निर्देश दिया है। साथ ही सभी प्रखंडों के शिक्षा पदाधिकारी से इस अभियान को अनुश्रवण कर रिपोर्ट मांगी गई है। विभागीय सूत्रों ने बताया कि इस सिस्टम के तहत प्रत्येक छात्र-छात्राओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाता है। जिसमें छात्रों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, परीक्षा परिणाम और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दर्ज होती है। इस कार्य को लेकर विभाग ने सरकारी स्कूलों में विशेष प्रशिक्षण देने का काम आयोजित किया था। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों को ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और इस कार्य में गति लाने के लिए विशेष सत्र आयोजित किये गये थे। लेकिन, लापरवाही के कारण इस प्रखंड में यह कार्य धीमी गति से चल रही है। विभाग की माने तो निजी विद्यालय बच्चों के आईडी जनरेट करने में शिथिल बैठे है। निजी स्कूल प्रबंधकों का कहना है कि तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी का आभाव है। जबकि कुछ इसे अतिरिक्त बोझ के रूप में देखते है। प्रखंड शिक्षा परियोजना प्रबंधक निर्भय कुमार ने बताया कि सभी स्कूल के प्रधानाध्यापकों को 10 दिनों के अंदर 80 प्रतिशत कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

पुलिस ने 500 लीटर जावा व अर्द्ध निर्मित महुआ शराब किया नष्ट

केसठ। होली को देखते हुए नावानगर पुलिस ने शराबे कारोबारियों के खिलाफ छापेमारी का अभियान तेज कर दिया है। इसको लेकरे नावानगर पुलिस ने रविवार को शराबे के खिलाफ केसठ प्रखंड के नया बाजार स्थित महादलित बस्ती में जमकर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने खुदाई कर जावा व अर्द्धनिर्मित महुआ नष्ट किया। इस दौरान 500 लीटर जावा महुआ और शराबे बनाने के उपकरण बरामद की है। पुलिस को देखते ही धंधेबाज फरार हो गये। फरार धंधेबाजों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

थानाध्यक्ष नंदु कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि महादलित टोले में चोरी छिपे शराब बनाकर बेची जा रही है। सूचना मिलने के साथ ही नावानगर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान करीब 500 लीटर जावा महुआ बरामद हुआ। जिसे तुरंत नष्ट कर दिया गया है। वहीं शराब कारोबारियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि शराब कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बक्सर में जीआरपी ने बरामद की 177.620 ली विदेशी शराब

केटी न्यूज/बक्सर

जहां एक ओर होली पर्व में खुमारी बढ़ाने के लिए शराब तस्कार बड़े पैमाने में जिले के अंदर शराब की खेप लाने में मश्गुल हैं। वहीं, जिले की पुलिस भी शराब तस्करों के मनसुबों पर पानी फेरने को पूरी तरह से तैयार है। इस क्रम में बक्सर जीआरपी ने शराब तस्करी का भांडा फोड़ किया है। हालांकि, मामले में किसी भी तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। लेकिन जीआरपी तस्करें की शिनाख्त में लग गई है।

बताया जाता है कि बक्सर जीआरपी ने रविवार को 15647 लोकमान्य तिलक की कोच संख्या एस-3 से 177.620 लीटर अंग्रजी शराब जब्त की है। वहीं, अज्ञात तस्कर पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की प्रक्रिया की जा रही है। इस संबंध में जीआरपी थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 15647 लोकमान्य तिलक की कोच संख्या एस-3 से भारी मात्रा में अंग्रजी शराब की खेप जा रही है। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस जवानों को अलर्ट किया गया। जिसके बाद जीआरपी के जवान सक्रिय हो गए और बक्सर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ट्रेन के रूकते ही सभी बोगियों की सघन तलाशी शुरू की गई। जैसे ही जवान एस-3 कोच की तलाशी लेनी शुरू की तो उन्हें शौचालय एवं सीट के नीचे लावारिस हालत में बैग रखी मिली। पूछताछ करने के दौरान किसी ने भी उक्त बैग रखने वालों की पुष्टि नहीं की। जिसके बाद बैग को प्लेटफॉर्म पर उतारा गया और उनकी तलाशी ली गई। जिसमें पाया गया कि सभी बैग्स में विभिन्न ब्रांड्स की विदेशी शराब रखी है। जिन्हें जब्त करते हुए उनकी गिनती शुरू की गई। जिसमें पाया गया कि बैग में कुल 177.620 लीटर विदेशी शराब है। जिसके बाद अज्ञात तस्करों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू की गई।

स्वाभिमान की रक्षा के लिए अभी से रहना है तैयार: सरोज राजभर

बक्सर। शहर के किला मैदान में दलित अति पिछड़ा स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा द्वारा अधिकार स्वाभिमान महारैली एवं जनसभा का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ बाबा साहब एवं अन्य महापुरुषों के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सह दलित अति पिछड़ा स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सरोज राजभर ने की जबकि मंच संचालन राम इकबाल ठाकुर ने किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सरोज राजभर ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अपनी चट्टानी एकता का परिचय देते हुए अपने अधिकार व स्वाभिमान की रक्षा हेतु अभी से तैयार रहना है। दलितों, अति पिछड़ा, पिछड़े लोगों की लड़ाई हम सदैव लड़ते रहे है और मरते दम तक लड़ने का विश्वास दिलाते है। जनसभा में अधिवक्ता सुनील मालाकार, रामचीज प्रजापति, गुड्डू शर्मा, गौतम चौहान, दीनानाथ ठाकुर, कृष्णावती देवी, नेहा कुमारी, संगीता देवी, मनसा देवी, तारा शर्मा, नीलम देवी, रेखा देवी, सुरेंद्र ठाकुर, प्रदीप शर्मा, अजीत कुमार, राजेंद्र प्रसाद व अन्य शामिल रहे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न वितरण शुरू

बक्सर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिले के लाभुकों के लिए मार्च माह में खाद्यान्न वितरण शुरू हो गया है। यह वितरण जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं द्वारा ई-पॉश मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। इस योजना के तहत, प्रत्येक परिवार को नियमित खाद्यान्न के रूप में पीएचएच लाभुकों को प्रति सदस्य एक किलो गेहूं और 4 किलो चावल तथा एएवाई लाभुकों को प्रति परिवार 7 किलो गेहूं और 28 किलो चावल नि:शुल्क दिया जा रहा है। लाभुकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी जन वितरण प्रणाली विक्रेता से सरकार द्वारा दिये जा रहे खाद्यान्न प्राप्त करना सुनिश्चित करें। यदि लाभुकों को कोई कठिनाई होती है, तो वे अपने संबंधित प्रखं आपूर्ति पदाधिकारी, एसडीएम या जिला आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

डुमरांव एसडीपीओ ने अनुमंडल के सभी थानाध्यक्षों के साथ की आपात बैठक, बोले...

शराब माफियाओं पर रखें विशेष नजर

केटी न्यूज/डुमरांव

होली के मद्देनजर व अपराध नियंत्रण के साथ साथ अनुमंडल में कानून व्यवस्था को सख्त बनाने के उद्देश्य से डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने रविवार को अनुमंडल कार्यालय में सभी थानाध्यक्षों के साथ क्राइम मीटिंग की। इस दौरान एसडीपीओ ने अनुमंडल में अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

इस दौरान होली पर्व को देखते हुए शराब तस्करों और शराब के अवैध कारोबार पर नजर रखते हुए उन पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी थानाध्यक्ष अपने अपने क्षेत्रों में रात्री गश्त को बढ़ाते हुए सघन छापेमारी अभियान चलाएं। थाना क्षेत्र के सभी शराब तस्करों की लाइन लिस्ट तैयार कर उनकी निगरानी करें। साथ ही, शराब व हेरोइन तस्करों पर सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने सभी थानेदारों को स्पष्ट रूप से हिदायत दी कि यदि किसी भी थाना क्षेत्र में शराब की तस्करी व अवैध बिक्री पर रोक लगाने में कोताही बरती गई तो संबंधित थानाध्यक्ष पर कार्रवाई की जाएगी।

संवेदनशील स्थानों को करें चिह्नित : एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि सभी अपने अपने थाना क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों को चिह्नित करें। जहां पर दिन व रात में अनिवार्य रूप से गश्त बढ़ाएं। ताकि, पर्व त्योहरों के दौरान किसी भी अप्रत्याशित घटनाओं की संभावनाओं को पूर्व में ही खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज के समय में साइबर क्राइम और घरेलु हिंसा के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। जिन पर नकेल कसने के लिए साइबर मामलों के एक्सपर्ट पुलिस अधिकारी व महिला पुलिस अधिकारी फॉलोअप करते रहें। उन्होंने बताया कि महिलाओं से जुड़े मामले जैसे घरेलु हिंसा, मारपीट, छेड़छाड़ आदि के मामलों पर विशेष ध्यान देते हुए उन पर त्वरित कार्रवाई करें।

लंबित कांडों के निष्पादित को गंभीरता से लें : एसडीपीओ ने थानों में लंबित कांडों के मामलों पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित थानेदारों से कांडों के लंबित रहने के कारणों की पृच्छा की। कहा कि लंबित कांडों का ससमय से निष्पादित किये जाने को गंभीरता से लें। तय सीमा में कांड निष्पादन के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करेंगे। वहीं समय से कांडों के निष्पादन, वारंटियों की गिरफ्तारी, वाहन चेकिंग अभियान चलाने आदि का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्ष विशेष रूप से सतर्कता बरतते हुए प्रत्येक दिन वाहन चेकिंग अभियान चलाये।

सीएम ने 2012 में ही आर्सेनिक मुक्त पानी देने का किया था वादा, जो आज तक है अधूरा: अनिल

- बसपा प्रदेश प्रभारी ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- बक्सर की जनता को सरकार ने ठगा
- पुरानी योजनाओं की दोबारा घोषणा कर की लोगों को बरगलाने की कोशिश

केटी न्यूज/बक्सर

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री ने बक्सर की जनता को ठगने का काम किया है। मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन ने कई योजनाओं की घोषणा तो की, लेकिन धरातल पर उनका कोई असर नहीं दिख रहा है। साजिश के तहत जिले की पुरानी योजनाओं को दोबारा घोषणा कर जनता को बरगलाने की कोशिश की जा रही है।

अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 2012 में आर्सेनिक मुक्त पानी देने का वादा किया था, जो आज तक अधूरा है। वहीं, बक्सर में बायपास का निर्माण भी अब तक नहीं हो सका। उन्होंने सवाल उठाया कि डबल इंजन की सरकार को आखिर कितना समय चाहिए? बसपा नेता ने स्थानीय सांसद और विधायकों पर भी जमकर निशाना साधाते हुए कहा कि सांसद के कार्यकाल के छह माह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक किसी भी योजना का शिलान्यास या उद्घाटन नहीं हो पाया है। इटाढ़ी गुमटी और चौसा में ब्रिज का निर्माण कब होगा, इसका जवाब कोई देने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद बनने के बाद बक्सर के सांसद जनता से दूर हो गए हैं और विकास कार्य ठप पड़ा है।

अनिल कुमार ने कहा कि जिले के विकास को लेकर बसपा पूरी तरह गंभीर है। वहीं, सरकार की घोषणाओं पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। अगर सरकार विकास के लिए गंभीर है, तो उसकी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का रोडमैप जारी करे। बसपा विकास के लिए हर उस दल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी, जो बक्सर को आगे ले जाने का काम करेगा। बसपा नेता ने मुख्यमंत्री से पूछा कि उन्होंने बक्सर के साथ झूठा वादा क्यों किया? विकास के नाम पर बक्सर को सिर्फ घोषणाओं का पुलिंदा ही क्यों मिला? उन्होंने दोहराया कि बहुजन समाज पार्टी जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी और सरकार से जवाब मांगेगी। मौके पर जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम, अभिमन्यु कुशवाहा, शिवबहादुर पटेल, मनजी यादव, सुभाष अम्बेडकर, जे पी यादव, जयराम भारती इत्यादि मौजूद रहे।

डबल इंजन की सरकार पूरी तरह फेल

अनिल कुमार ने कहा कि डबल इंजन की सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर कब मिलेगा? मुख्यमंत्री के गरीबों को तीन डिसमिल जमीन देने का वादा अभी तक पूरा क्यों नहीं हुआ? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बक्सर में दलित छात्रों को छात्रावास से बेदखल करने की साजिश की जा रही है और उनकी छात्रवृत्ति भी बंद कर दी गई है। बसपा नेता ने कहा कि राम की शिक्षा स्थली कहे जाने वाले बक्सर को बीते 20 वर्षों में सरकार एक कॉलेज तक नहीं दे पाई है। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि राम के नाम पर वोट मांगने वाले बक्सर को शिक्षा और विकास से वंचित रखा है। इसका कब तक हल निकलेगा?

खबरें फटाफट

शराब तस्करी के लिए सेफजोन है गंगातटवर्ती इलाका

बक्सर। गंगातटवर्ती इलाका शुरू से ही शराब तस्करों का सेफजोन रहा है। रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए तस्कर असानी से दियारांचल के गांवों में शराब की खेप पहुंचा देते है। ऐसा नही की पहली बार पुलिस ने छापेमारी की हो सूचना मिलने जवहीं व आस-पास के गांव में शराब को लेकर छापेमारी की गई। जिसमें लाखों के मुल्य के शराब व दो दर्जन से अधिक तस्कर भी पकड़े गए है। परन्तु अचानक तस्करों के द्वारा गोलीबारी समझ में न तो पुलिस को आ रही है। यह कैसे हुआ है। वहीं तस्करों को भी समझ में नही आ रहा है। यह वारदात अब तस्करों के लिए भारी पड़ सकती है।

सड़क किनारे किया जा रहा बालू का स्टोरेज हो सकती है दुर्घटना

डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र के लगभग सभी मुख्य पथ के किनारे ही बालू का रखने का दुकानदारों ने स्टोर बना दिया है। सड़क के एक हिस्से पर बालू होने से वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो सकते है। ताज्जूब की बात है कि प्रशासन की कोई न कोई गाड़ी इन मुख्य सड़कों से गुजरती है। परन्तु सड़क के किनारे रखे बालू को देखने के बाद भी प्रशासन द्वारा उसे हटवाने का निर्देश भी नहीं दिया जाता है। जिससे एनएच जैसी महत्वपूर्ण सड़क पर परिचालन खतरनाक बन गया है। कई बार दोपहिया जैसे छोटे वाहन चालक उस जगह पर फिसल चुके है। रात के अंधेरे में तो स्थिति और भी खतरनाक बन जा रही है।

थानों में हुआ चौकीदार परेड का आयोजन

बक्सर। रविवार को जिले के विभिन्न थाना परिसर में चौकीदार परेड का आयोजन किया गया। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, वातावरण में कराने हेतु सभी थाना परिसर में चौकीदार परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्षों के द्वारा चौकीदारों को अपराध नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। यह भी बताया गया कि होली नजदीक आ रही है। किसी प्रकार की हुड़दंग ना हो। इसलिए पहले से शरारती तत्वों को चिहिन्त करें।

सेतु योजना के तहत होगा निर्माण, कार्य प्रमंडल ने विभाग को सौंपी रिपोर्ट

अनुमंडल के 64 जर्जर पुलों में 8 का आरडब्लूडी ने किया चयन

- पुलों का प्रशासनिक मिलते ही निर्माण की प्रक्रिया होगी शुरू

केटी न्यूज/ डुमरांव

ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर यातायात के लिए इस साल पुलों का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत पुलों का निर्माण किया जाना है। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल डुमरांव के द्वारा क्षेत्र के 64 जर्जर पुलों का नव निर्माण के लिए लिस्ट विभाग को भेजा था। जिसमे 8 पुलों का चयन कर चेक लिस्ट का मांग विभाग ने किया था। जिसे कार्य प्रमंडल ने भरकर विभाग को सौप दिया है। अधिकारियों के मुताबिक अब पुलों का प्रशासनिक मिलते ही निर्माण की ओर कदम बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत निर्माण कार्य मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीण इलाके की सभी सड़कों को 15 जून तक गड्ढा मुक्त भी करने की कवायद किया जा रहा है। यही नहीं इस विभाग के द्वारा ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत सड़कों का राइडिंग क्वालिटी सात वर्षों तक मानक के अनुरूप रखा जायेगा। इस सात साल में सड़कों का दो बार कालीकरण का कार्य किया जायेगा।इससे ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

पुल निर्माण के लिए चक्की में 3, नावानागर में दो एवं ब्रह्मपुर में 1 का चयन : ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल डुमरांव को विभाग के द्वारा जो 8 पुलों का चेकलिस्ट मिला है। उसमें चक्की के तीन पुल शामिल है। जिसमे चक्की चुनी डेरा से चंदा पंचायत को जोड़ने के लिए धर्मावती नदी में पुल निर्माण जिसकी लंबाई 30.00मी एवं 2 करोड़ 40 लाख अनुमानित खर्च राशि है। इसी प्रकार अरक पंचायत में कृष्ण भगवान स्थान के पास पँचफेडवा से चक्की ब्लॉक जाने वाला धर्मावती नदी पर पुल निर्माण 30 मीटर लागत 1 करोड़ 80 लाख, अरक से जवहि पंचायत जाने वाली सड़क में रंगी डेरा के पास भागड़ नदी में पुल निर्माण एवं धरीक्षण बाबा के कुटिया के नजदीक भगड़ में पुल का निर्माण लंबाई 10 मीटर जिसपर 60 लाख खर्च होना है। वही नावानगर क्षेत्र के ग्राम मणिया और इटौहा के बीच छेरा नदी पर पुल निमार्णा कार्य जिसकी लंबाई 60 मीटर है। इसपर 4 करोड़ 80 लाख खर्च किया जाना है।

यह पुल अंगेजों के जमाने मे निर्माण किया गया था। अब लेवल पुल का पाया शेष बचा हुआ है। नावानगर के बिसया एवं उसरा के बीच ठोरा नदी में पुल निर्माण कार्य लंबाई 100 मीटर इसपर 7 करोड़ एवं ब्रह्मपुर प्रखण्ड के बैरिया के ग्राम बलुआ के पास भगड में पुल निर्माण कार्य लंबाई 120 मीटर है। इसके निर्माण पर कुल 9 करोड़ 60 लाख राशि खर्च किया जाना है। ग्रामीण कार्य विभाग प्रमंडल डुमरांव के सहायक अभियंता गुड्डू कुमार ने बताया कि विभाग को चेक लिस्ट भेज दिया गया है। प्रशासनिक मिलने के साथ ही निर्माण के क्षेत्र में कार्य आगे बढ़ाया जाएगा। इन स्थानों पर पुल का नवनिर्माण कराया जाएगा।

10-10 कार्यकताओं को मिला एक बूथ कमिटी बनाएगी जदयू

केटी न्यूज/डुमरांव

विधान सभा चुनाव को लेकर हर पार्टी के कार्यकताओं व नेताओं ने अपनी चहल कदमी बढ़ा दी है। पार्टी के द्वारा हर परिवार के सदस्यों के पास पहुंचने की योजनाओं पर अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक पार्टी के नेता रसूख वाले लोगों के साथ जन प्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। इस क्रम में जदयू के नेता इसके लिये बूथ जीतो, चुनाव जीतो की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। जिसके तहत रविवार को डुमरांव के छठिया पोखरा स्थिति पार्टी के नगर अध्यक्ष विमलेश सिंह के आवास पर विधान सभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा के नेतृत्व में नेताओं व कार्यकताओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की।

बैठक में सभी को बताया गया कि बूथ जीतो चुनाव जीतो के तहत हमें काम करना है। जिसमें 10-10 कार्यकताओं की एक बूथ कमिटी बनाई जाएगी। कमिटी समाजिक समीकरण के साथ बनाई जाएगी, जिसका गठन आठ मार्च तक किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, संचालन नगर उपाध्यक्ष विमलेश कुमार सिंह, रामाशीष सिंह, संजय कुमार, सुग्रीव राम, लालजी सिंह, बबन खरवार उमेश गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

ऑटो सवार महिला के पर्स से मंगलसूत्र व नगदी गायब

डुमरांव। ऑटो से बाजार जा रही एक महिला के पर्स से सोने का मंगलसूत्र व 700 नगदी रुपये गायब हो गया। पीड़ित महिला डीएस कोठी निवासी अमृता मिश्रा ने पुलिस को आवेदन दिया है। उक्त आवेदन में पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि वह घर से बाजार आने के लिए टेंपो में बैठी थी। इसी दौरान नगरपालिका के समीप एक अंजान औरत दो बच्चों के साथ ऑटो में बैठी और थोड़ी दूर बाद उतर गयी। पीड़िता ने बताया कि इसी दौरान रास्ते मे उसके पर्स से मंगलसूत्र नगद रुपये गायब हो गये।

प्रेरणा स्थल पर पेयजल व शौचालय की नहीं है सुविधा

डुमरांव। नगर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड में महरौरा मोड़ के पास प्रेरणा स्थल है। जहां पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर और संत रिवदास की मूर्ति लगी हुई है। उक्त प्रेरणा स्थल पर प्रतिदिन दर्जनों लोग पूजा-पाठ के लिये पहुंचते हैं, लेकिन उस स्थल का आज तक विकास नहीं हो पाया है। हालांकि, प्रेरणा स्थल की देख-रेख के लिये एक कमिटी गठित की गई है। जिसका एक सदस्य वहां फूस का मकान बना रहता है।

उक्त स्थल पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की आदम कद प्रतिमा स्थापित कर स्थानीय विधायक अजीत कुशवाहा के सहयोग से एक मंदिर बनाया गया है।

अब लोगों की मांग है कि वहां पर पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की जाए। इसके लिये नप ईओ को भाजपा के अनुसूचित जाति के पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य बिनोद पासवान ने उक्त स्थल पर पेयजल व शौचालय की व्यवस्था करते हुए चाहरदीवारी करने की मांग उठाई है। यदि प्रेरणा स्थल पर पेयजल और शौचालय की व्यवस्था हो जाती है तो राहगीर और पूजा-पाठ करने वाले लोग परेशानी से बच जाएंगे।

डुमरांव में जाम की समस्या से जूझ रहे हैं अनुमंडलवासी, पार्किंग सुविधा नदारद

केटी न्यूज/ डुमरांव

अनुमंडल का एकलौता बड़ा बजार होने के कारण प्रतिदिन लगभग 10 हजार लोग गांव से मार्केटिंग करने आते हैं। लेकिन उनको रोज फजीहत झेलनी पड़ती है। जिसका मुख्य कारण लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या के कारण सड़क पर वाहनों का दबाव है। इसके बावजूद ट्रैफिक की समुचित व्यवस्था नहीं है।

शहर में पार्किंग की जगह नहीं रहने के कारण वाहन चालक यत्र-तत्र वाहन खड़ा करते हैं। जिससे अक्सर जाम लगता है। शाम में तो सड़क पर जाम का नजारा आम है। जाम से अस्पताल मोड़ हो, मेन रोड व गोला रोड ज्यादा प्रभावित है। जाम का विकराल रूप पर्व त्योहार के समय में दिखने को मिलता है। उस समय वाहन तो दूर पैदल भी चलना मुश्किल हो जाता है। वाहनों के पार्किंग के लिए आखिर शहर में कोई जगह निर्धारित क्यों नहीं हो पा रही है। जाहिर है नगर परिषद के सामने पार्किंग के लिए जगह की उपलब्धता समस्या है।

शहर में न तो निर्धारित स्थल पर रिक्शा पड़ाव की सुविधा उपलब्ध है और न ही ऐसे खाली जगह ही है जहां लोग अपने वाहनों को लगा कर बाजार में खरीदारी कर सकें। शहर की सड़कें इतनी भी सकरी नहीं है कि जाम की समस्या बने। बल्कि जाम का कारण सड़कों पर लगने वाले अवैध रूप से टोकरी व ठेला दुकानों से बढ़ रही है। ऐसे में सड़क किनारे लगी दुकानों के बाद सड़क पर ही वाहनों को खड़ा किया जाता है। ऐसे में सड़क सिकुड़ रही है। फुटकर दुकानों को दूसरे जगह स्थानांतरित कर हद तक सड़क पर लगने वाली जाम की समस्या से निजात पाया जा सकता है। शहर में वाहन पार्किंग की सुविधा नहीं है, जिसके कारण वाहन चालक अपने वाहन को यत्र तत्र वाहन खड़ी कर खरीदारी करने में मशगूल रहते है. शहर में वाहन पार्किंग के लिए खाली जगह की कमी है। नगर परिषद द्वारा वाहन पार्किंग के लिए कई जगहों का प्रस्ताव पर भी विचार करने की बातें कही जा रही है। लेकिन कब होगा यह देखने वाली बात होगी।

जलपुत्र अजय राय की पहल की कार्यपालक पदाधिकारी ने की सराहना

डुमरांव के प्रमुख स्थलों पर वॉटर एटीएम लगाने के लिए ईओ को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/डुमरांव

जल संरक्षण के लिए लम्बे वर्षों से काम रहे जलपुत्र के नाम से चर्चित डुमरांव नगर परिषद के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय ने डुमरांव नगर के प्रमुख स्थलों पर वॉटर एटीएम लगाने के लिए नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार को ज्ञापन सौपा है।

अजय ने बताया कि गर्मी के मौसम और आम लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर में वॉटर एटीएम की स्थापना बेहद जरूरी है। गर्मी के दिनों में आम जन को शुद्ध पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। हालांकि गर्मी में नगर परिषद की ओर से जगह-जगह घड़ा में पेयजल की व्यवस्था की जाती है लेकिन कई बार इसमें पानी नहीं होने की भी शिकायत मिलती रहती है। इससे आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी परेशानी को देखते हुए अजय राय ने विशेष पहल करते हुए वॉटर एटीएम लगाने की मांग की है। उन्होंने कार्यपालक अभियंता से कहा कि डुमरांव में हर दिन बड़ी संख्या में ग्रामीण इलाके के लोगों का आना-जाना होता है। सामान की खरीदारी हो या इलाज या फिर किसी सरकारी काम के लिए बड़ी संख्या में लोगों को डुमरांव आना पड़ता है। इनमे बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है, जो बोतलबंद पानी पर पैसा खर्च करना संभव नहीं होता। ऐसे में वे कई बार ठेला-खोमचा से दूषित पानी पीकर बीमार पड़ जाते हैं। आमजन की सेहत का ख्याल रखना नगर परिषद की बड़ी जिम्मेवारी है। अपनी जिम्मेवारी का निर्वाह करते हुए नगर परिषद इस दिशा में विशेष पहल करे ताकि लोगों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल मिल सके। कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने अजय की इस पहल की सराहना करते हुए नगर में जल्द से जल्द वॉटर एटीएम लगवाने का आश्वासन दिया है।

हेमंत ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार आगाज: उद्घाटन मैच में कैमूर ने भोजपुर को 75 रनों से हराया

केटी न्यूज/आरा

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में भोजपुर में पहली बार टर्फ विकेट पर शाहाबाद जोन का उद्घाटन मुकाबला भोजपुर बनाम कैमूर के बीच प्रातः 9:00 बजे महाराजा कॉलेज के खेल मैदान पर शुरू हुआ।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैमूर की टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाए। एक समय कैमूर के प्रारंभिक ओपनर बल्लेबाज मात्र 19 रनों पर पवेलियन लौट चुके थे। दो विकेट खोने के बाद कैमूर की तरफ से गुपिल राय एवं अनुभव ने शानदार 121 रनों की साझेदारी करते हुए अपनी टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। गुपिल राय ने शानदार शतक बनाते हुए नाबाद 102 रन बनाए। अनुभव ने उनका बखूबी साथ देते हुए शानदार 66 रन बनाए। आदर्श ने 23 रन एवं राजू ने मात्र 8 गेंद में शानदार 22 रन बनाए। इस प्रकार कैमूर की टीम ने 50 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 244 रनों का स्कोर भोजपुर के सामने रखा। भोजपुर की तरफ से गेंदबाजी करते हुए अंकित ने दो विकेट तथा राहुल, विवेक एवं समरेश को एक-एक विकेट मिला।

245 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे उतरी भोजपुर की टीम ने 33.2 ओवर में 169 रन बनाकर आउट हो गई। भोजपुर की तरफ से सागर तिवारी ने सर्वाधिक 38 रन, वरुण राज ने 34 रन, अंकित राज ने 23 रन एवं अंकित सिंह ने 25 रनों का योगदान किया। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई अंकों में नहीं प्रवेश कर सका। इस प्रकार कैमूर ने यह मैच एकतरफा मुकाबले में 75 रनों से जीत लिया। आज के मैच के निर्णायक बिहार स्टेट पैनल के नीरज कुमार एवं दीपक कुमार थे ऑनलाइन स्कोरिंग की भूमिका में प्रियांशु एवं ऑफलाइन स्कोरिंग की भूमिका में मोहम्मद शाहबाज थे। आज के मैच के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार गुपिल राय को शानदार शतक बनाने के लिए इरास्तुति की तरफ से मोमेंटो भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष दीपक कुमार ने देकर सम्मानित किया।

रविवार के मैच का उद्घाटन भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष डॉ. एसके रुंगटा एवं बिहार एथलेटिक संघ के उपाध्यक्ष यशवंत सिंह के द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर दिया गया। पूरे मैच के दौरान भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव राजीव कुमार ,पूर्व सचिव मनोज कुमार ,कोषाध्यक्ष विवेक, सीनियर खिलाड़ी संजय सिंह, राकेश सिंह उमेश कुमार, राकेश ,विभिन्न क्लबो के पदाधिकारी ,लीग संयोजक आकाश कुमार एवं सैकड़ो की संख्या में दर्शक उपस्थित थे। सोमवार का मैच कैमूर बनाम औरंगाबाद के बीच प्रातः 9:00 बजे महाराजा कॉलेज के खेल मैदान पर होगा। इसकी जानकारी जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनीत कुमार राय (ज्ञानू) ने दी।

एक माह पूर्व प्रेमिका के साथ धराए प्रेमी की लोगों ने करवाई थी जबरन शादी

संदेहास्पद: फंदे से झूलती मिली विवाहिता की लाश, परिजन फरार

♦ मुरार थाना क्षेत्र के लड़के को दावथ थाना क्षेत्र की लड़की से गुप्ताधाम जाने के दौरान हुआ था प्यार

केटी न्यूज/डुमरांव

नवविवाहिता ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। जैसे ही गांव में यह खबर फैली गांव में सनसनी मच गयी। जिसके बाद ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना चौकिदार को दी। वहीं चौकिदार ने थानाध्यक्ष को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे लटके नवविवाहिता को फंदे उतारा। वहीं पुलिस व ग्रामीणों के पहुंचने के पहले परिजन फरार हो गये थे। घटना मुरार थाना क्षेत्र के बैदा गांव में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं पुलिस ने मृतक के मायके वालों को सूचना फोन के माध्यम से दी है। मृतका की पहचान रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के फतेहगंज गांव की निराशा सिंह के रूप में हुई। वहीं मायके पक्ष वाालों का आरोप है कि लड़के पक्ष प्रेम विवाह से नाराज थे। जिसके कारण मेरी बेटी की हत्या की गयी है। मेरी बेटी आत्महत्या कर ही नही सकती है।

प्रेम की जीत के बाद भी निराशा ने तोड़ा दम : प्यार की जंग जीतने के बाद भी निराशा को जिंदगी ने हारने पर मजबूर कर दिया। मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव में प्रेम विवाह के बाद ससुराल में रह रही निराशा सिंह ने रविवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी आफाक अख्तर अंसारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

एक महीने बाद क्यों टूटी निराशा : शादी के बाद जब ससुराल में निराशा को अपनाने से इनकार कर दिया गया, तो पुलिस के हस्तक्षेप से उसे ससुराल में जगह मिली। सबकुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन एक महीने बाद निराशा ने आत्महत्या कर ली। आखिर क्या कारण था कि प्रेम की जीत के बावजूद उसने यह कदम उठाया? पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

पुलिस के समक्ष एक माह पूर्व लड़की को किया था विदा : समाज व परिवार से नजरे बजाकर एक दूसरे से नजरे मिलाने वाले प्रेमी जोड़े न सिर्फ सात फेरो में बंधना चाहते है बल्कि सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें भी खाते है। अक्सर इसमें उनका परिवार दीवार बन जाता है। जिस कारण कई बार उनका ख्वाब पूरा नहीं हो पाता है, लेकिन एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसमें प्रेमिका के साथ पकड़ाए जाने के बाद लड़की वालों ने स्थानीय लोगों के प्रयास से उनके प्रेम को रिश्तो की डोर में बांध लगे हाथ शादी करा लड़के के साथ लड़की को विदा भी कर दिया।

कहते हैं एसडीपीओ

डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि पुलिस को जैसे ही सूचना मिली मौके पर पहुंची। पहले शव को फंदे से उतारा। उसके कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद से परिजन फरार है। मृतका की प्रेम विवाह लगभग एक माह पूर्व हुई थी। परिजनों को यह बात नागवार गुजर रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एफएसएल की टीम बुलाई गयी है। साक्ष्य इक्कठा कर रही है।

मृतक के घर पहुंचे भारत पल्स इथेनाल के जीएम, परिवार को दी आर्थिक मदद

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के नवानगर स्थित भारत प्लस इथेनॉल प्राईवेट लिमिटेड के कर्मचारी मुकेश विश्वकर्मा की असामयिक मृत्यु बीते 7 फरवरी को रोड एक्सीडेंट में हो गई थी। परिवार के प्रति गहरी संवेदना रखते हुए ईथेनौल प्लांट के सभी कर्मियों द्वारा कुल 80500 रुपए की मदद स्वरूप राशि मृतक के परिवार को सौपी गई।

प्लांट के जीएम अजीत कुमार शाही द्वारा मुकेश विश्वकर्मा के घर जा कर उनकी पत्नी को ये राशि सुपुर्द की गई। यूपी में हुई इस घटना में कर्मी की मौत का बाद कंपनी के मालिक अजय कुमार सिंह ने परिवार से मृतक के गांव देवरिया भी जाकर मुलाकात की थी।

इसके बाद अब कंपनी की तरफ से कर्मचारियों के द्वारा चंदा इक्कठा कर 80500 रुपए मृतक के परिवार को दिया गया। कंपनी के सीएमडी अजय कुमार सिंह ने कहा कि कंपनी के कर्मचारी के साथ हुई इस घटना के बाद से हमारा पूरा भारत प्लस इथेनाल परिवार काफी दुखी है। हम अपने मृतक कर्मी के परिवार के साथ मजबूती से खड़े है। उन्हें जब भी किसी मदद की जरूरत होगी हम उनके लिए साथ हैं। उन्होंने बताया कि परिवार के लिए ये एक मात्र छोटी सी मदद है।

चार को पटना में होगी प्रदेश परिषद की महत्वपूर्ण बैठक

♦ प्रत्येक जिला से वरिष्ठ कार्यकताओं का किया गया है चयन

केटी न्यूज/आरा

चार मार्च को पटना में होनेवाली बिहार भाजपा प्रदेश परिषद का बैठक में भोजपुर जिला से सैकड़ों भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। बताया जता है कि भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश द्वारा चार मार्च को पटना बापू सभागार में प्रदेश परिषद की महत्वपूर्ण बैठक होगी। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने बताया कि चार मार्च को प्रदेश परिषद बैठक मे प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का विधिवत निर्वाचन होगा। पूरे बिहार से डेलीगेट के रूप प्रत्येक जिला से वरिष्ठ कार्यकताओं का चयन किया गया है। भोजपुर जिला से पूर्व जिलाध्यक्ष मिथिलेश कुशवाहा और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुक्तेश्वर ओझा उर्फ भुवर ओझा प्रस्तावक के रूप मे शामिल होंगे।

मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश परिषद के बैठक में भोजपुर जिला के भाजपा कोर कमिटी, जिला पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ, विभाग पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष महामंत्री डेलीगेट, विधानसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक, मंडल प्रभारी, शक्ति केन्द्र संगठन पर्व सहयोगी, जिला और मंडल सक्रिय और प्राथमिक सदस्यता टीम, मंडल संगठन पर्व सहयोगी, पार्टी से संबंधित जिला पार्षद, मुखिया, पैक्स अध्यक्ष, नगर निगम,नगर परिषद के मेयर, वार्ड सहित पार्टी में शामिल नए नेताओं और वरिष्ठ कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है।

युवक को लगी गोली, इलाजरत

केटी न्यूज/आरा

जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के देवकी सिंह का टोला में रविवार की शाम संदेहास्पद स्थिति में युवक को गोली लग गई। जख्मी युवक को गोली बाएं साइड सीने में लगी है जो आरपार हो गई है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए जगदीशपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार जख्मी युवक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के देवकी सिंह का टोला निवासी स्व. हरेंद्र सिंह का 28 वर्षीय पुत्र विश्वजीत सिंह है। घटना को गांव एवं आसपास की इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं घटना की सूचना मिलती ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर विश्वजीत सिंह ने बताया कि वह ड्रिंक करता है और अपने परिवार वालों व मां-बाप का पैसा पानी के तारा बहता है। नशे में घुत हो जाने के बाद वह अपने मां-बाप की भी आदर नहीं करता है। जिसको लेकर वह अपने आप में हमेशा यह महसूस करता था कि मैं अच्छा इंसान हूं या खराब। वह खुद से ही संतुष्ट नहीं था। इसी डिप्रेशन के कारण उसने खुद को गोली मार ली। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए जगदीशपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो को मारी टक्कर, एक की मौत

केटी न्यूज/आरा

आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मलथर गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप रविवार की शाम अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे अधेड़ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक पर पीछे बैठी बच्ची गंभीर रूप से जख्मी हो गई।

इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा जख्मी बच्ची को इलाज के लिए उदवंतनगर पीएचसी ले जाया गया। उधर घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल ले आई। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के शीतल टोला निवासी सोभी पंडित के 57 वर्षीय पुत्र रामानंद पंडित है एवं वह पेशे से आलू विक्रेता थे। जबकि जख्मी पीरो थाना क्षेत्र के रामयाद टोला जितौरा निवासी कृष्णा कुमार की 9 वर्षीया पुत्री व मृतक की भतीजी अदिति कुमारी है। इधर मृतक के बेटे सोनू कुमार ने बताया कि पीरो थाना क्षेत्र के रामयाद टोला जितौरा निवासी उनके साल आनंद पंडित की बेटी नेहा कुमारी का रविवार को तिलक था। जिसको लेकर वह बाइक से सामान लेकर वहां पहचाने गए थे। सामान देकर जब वह अपने साले कृष्णा कुमार की बेटी आदिति कुमारी को साथ बाइक से वापस आरा लौट रहे थे। उसी दौरान मलथर पेट्रोल पंप के समीप किसी अज्ञात वाहन उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें उनके पिता रामानंद पंडित की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि आदिति कुमारी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जिसके बाद उसे इलाज के लिए उदवंतनगर पीएचसी लाया गया। सूचना पाकर परिजन भी आरा अस्पताल पहुंचे।

टीचर्स ऑफ बिहार और एससीईआरटी के बीच ऐतिहासिक समझौता

राज्य के सभी शिक्षकों के नवाचार और डिजिटल शिक्षा को मिलेगी अब नई उड़ान

केटी न्यूज/आरा

बिहार के शिक्षा जगत में नवाचार और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार और टीचर्स ऑफ बिहार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद,बिहार के वेब पोर्टल के निःशुल्क वेब डेवलपमेंट के लिए किया गया है, जिसे टीचर्स ऑफ बिहार की टेक्निकल टीम द्वारा तैयार किया जाएगा। यह पोर्टल राज्य के शिक्षकों के नवाचार, डिजिटल सामग्री और शैक्षणिक संसाधनों को साझा करने के लिए एक समर्पित मंच होगा, जो शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा।

समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद,बिहार के निदेशक श्री सज्जन आर.(आइएएस), संयुक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती सुषमा कुमारी और टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रमुख स्वैच्छिक प्लेटफॉर्म है, जो शिक्षकों के नेतृत्व में शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सतत प्रयासरत है। यह साझेदारी शिक्षक से मार्गदर्शक बनने की यात्रा में एक नई दिशा प्रदान करेगी। इस पोर्टल का संपूर्ण तकनीकी विकास टीचर्स ऑफ बिहार के टेक्निकल टीम लीडर इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस अवसर पर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि "शिक्षकों के नवाचारों और डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग हमारी प्राथमिकता है। यह पोर्टल बिहार के शिक्षकों के डिजिटल परिवर्तन में मील का पत्थर साबित होगा।

टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार ने कहा कि "शिक्षकों के नवाचार और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना हमारा मुख्य उद्देश्य है। टीचर्स ऑफ बिहार विगत छह वर्षों से राज्य के लिए निःशुल्क कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दी गई।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में साइबर अपराधी गिरफ्तार, जंगल से चला रहे थे ठगी धंधा

धनबाद, एजेंसी। टुंडी थाना क्षेत्र के नीमटांड जंगल मे छापेमारी कर साइबर अपराधी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है. छापेमारी के दौरान पुलिस को देख एक अन्य साइबर अपराधी मौके से भागने में सफल रहा. मौके से पुलिस ने सात मोबाइल और 13 सिम जब्त किए हैं. साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने मीडिया को जानकारी दी कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टुंडी थाना क्षेत्र के निमटांड स्थित मधुरसाय गांव के पास के जंगल में कुछ साइबर अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध की घटना को अंजाम दिया जा रहा है. गुप्त सूचना के अधार पर पुलिस वहां पहुंची और साइबर अपराधियों को रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया. एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि दूसरा भागने में कामयाब रहा. पूछताछ और तलाशी के दौरान अपराधी के पास से सात मोबाइल फोन और 13 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं.

साइबर पुलिस की टीम ने जांच पड़ताल में पाया कि बरामद 13 सिम कार्ड में से दो के खिलाफ एनसीआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज है. मध्यप्रदेश के भोपाल और महाराष्ट्र में इसका मामला दर्ज है. इनके द्वारा आरबीएल बैंक के क्रेडिट कार्ड के नाम पर एपेक फाइल भेजा जाता था. उसे डाउनलोड करवाकर साइबर ठगी की जाती थी. क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर एपेक फाइल डाउनलोड करवाते थे. डाउनलोड के बाद साइबर अपराधी उसके मोबाइल को अपने कंट्रोल में लेते थे. गिरफ्तार साइबर अपराधी का नाम सतीश कुमार मंडल है. वह मधुरसाय गांव का ही रहने वाला है. इसका एक साथी मौके से भागने में कामयाब रहा. उसकी तलाश जारी है.

एमएसपी पर धान खरीद में झारखंड फिसड्डी, ढाई माह में 37 फीसदी ही हुई खरीददारी!

रांची, एजेंसी। प्रदेश के किसानों से एमएसपी पर धान खरीदने के मामले में झारखंड फिसड्डी साबित होता दिख रहा है. 15 दिसंबर 2024 को खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा से धान खरीद की शुरुआत की थी. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 6 लाख मिट्रिक टन यानी 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन ढाई माह बीतने के बावजूद 24 फरवरी तक सिर्फ 22,29,854.33 क्विंटल यानी लक्ष्य की तुलना में 37.14 ही धान की खरीद हो पाई है. झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू के सवाल का जवाब देते हुए सरकार की ओर से सदन में इस बात को स्वीकारा गया है.

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग का कहना है कि 15 अप्रैल 2025 तक धान की खरीद होनी है. 60 लाख क्विंटल धान खरीद के टारगेट को पूरा करने के लिए निबंधित किसानों को उनके मोबाइल पर धान बेचने की तारीख की सूचना एसएमएस के जरिए दी जाती है. धान बेचने के लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर 2,44,459 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है. धान खरीदने के लिए राज्य में कुल 736 अधिप्राप्ति केंद्र खोले गये हैं.

इस साल धान खरीद पर 100 रु. की जगह 200 रु. का बोनस दिया जा रहा है. इस लिहाज से एक क्विंटल धान के बदले 2,400 रु दिए जा रहे हैं. फिर भी किसान रुचि नहीं दिखा रहे हैं. विभाग की दलील है कि किसान बिचौलियों को औने-पौने दाम में धान ना बेचें, इसके लिए सभी उपायुक्तों को किसानों के बीच जागरुकता लाने को कहा गया था. इसकी वजह से बिचौलियागिरी को थोड़ा अंकुश जरुर लगा है. लेकिन सवाल वही है कि क्या डेढ माह में शेष 67 प्रतिशत धान खरीद के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा.

झारखंड के सभी जिलों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पार, रांची का पारा पहुंचा 33.3 डिग्री

रांची, एजेंसी। झारखंड के सभी जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने लगी है. मौसम विभाग के अनुसार आज रविवार से आसमान साफ रहेगा और मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है. स्थिति यह हो गयी है कि झारखंड के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर हो गया है. राज्य में शनिवार को सबसे अधिक तापमान बहरागोड़ा का रिकॉर्ड किया गया. यहां का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. सुबह-शाम हल्की ठंड के बीच दिन में अचानक तापमान में वृद्धि से लोग परेशान होने लगे हैं।

झारखंड को कब मिलेगा 1.36 लाख करोड़ बकाया?

संयुक्त कमेटी के गठन से बढ़ीं उम्मीदें

रांची, एजेंसी। झारखंड में संचालित कोयला कंपनियों पर राज्य सरकार के बकाया दावा का आकलन के लिए संयुक्त कमेटी बनायी गयी है. संयुक्त कमेटी कोयला खदानवार राज्य सरकार के दावे का अध्ययन करेगी. 1.36 लाख करोड़ बकाये के दावे का कमेटी आकलन करेगी. कमेटी की रिपोर्ट के बाद भुगतान के मामले पर मंत्रालय और राज्य सरकार की उच्चस्तरीय कमेटी बैठेगी.

फरवरी के पहले सप्ताह में कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी झारखंड दौरे पर आये थे. उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी. इसमें राज्य के वरीय अधिकारियों के साथ-साथ कोयला कंपनियों के उच्च अधिकारी भी थे. इसमें राज्य सरकार ने 1.36 लाख करोड़ (संशोधित 1.41 लाख करोड़) बकाया भुगतान का मामला उठाया था. इसमें एक संयुक्त टीम बनाकर दावे का आकलन कराने पर सहमति बनी थी. इसके बाद राज्य सरकार ने संबंधित खनन क्षेत्रों के जिलों के उपायुक्तों की अध्यक्षता में कमेटी बनायी है. कमेटी में जिले के अपर समाहर्ता और संबंधित कंपनियों के एरिया के महाप्रबंधकों को रखा गया है. इसके अतिरिक्त उपायुक्तों को यह अधिकार दिया गया है, कि अगर कमेटी में किसी अन्य को रखना चाहते हैं, तो रख सकते हैं. कमेटी को जल्द रिपोर्ट देने को कहा गया है.

कोल कंपनियों पर भूमि मुआवजा, वॉश्ड कोल रॉयल्टी और कॉमन कॉज के 1.36 लाख करोड़ के बकाया को संशोधित कर सरकार ने 1.41 लाख करोड़ रुपये कर लिया है. झारखंड सरकार का खान विभाग वॉश्ड कोल रॉयल्टी व कॉमन कॉज के तहत भेजे गये डिमांड नोट की राशि कोल कंपनियों से मांग रही है. खान विभाग द्वारा कुल 40242.75 करोड़ रुपये की मांग की गयी है. जबकि भू-राजस्व विभाग कोल बेयरिंग एक्ट (सीबीए) के तहत कोल कंपनियों द्वारा किये गये भूमि अधिग्रहण के एवज में मुआवजा की मांग कर रही है. यह राशि मार्च 2022 तक 41142 करोड़ रुपये तय की गयी थी. इस रकम पर भूमि अधिग्रहण से लेकर मार्च 2022 तक केवल सूद की राशि ही 60 हजार करोड़ रुपये हो गयी है. सरकार ब्याज की रकम जोड़ कर भूमि अधिग्रहण मद में कुल बकाया 101142 करोड़ रुपये केवल मुआवजा मद में मांग रही है. जबकि राज्य सरकार के अनुसार, कोल कंपनियों पर कुल 141384.75 करोड़ रुपये का बकाया हो गया है.

कोल ट्रिब्यूनल द्वारा पिछले वर्ष ही ज्वाइंट कमेटी बनाकर रॉयल्टी संशोधित करने की बात कही गयी थी. कमेटी ने स्थल निरीक्षण कर विभिन्न वॉश्ड कोलियरी की गणना की. वॉश्ड कोल पर रॉयल्टी की रकम 6029.75 करोड़ रुपये आयी. इसे ट्रिर्ब्यूनल के पास भेजा जायेगा. वहीं, वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट के कॉमन कॉज मामले में दिये गये आदेश पर सभी कोल कंपनियों की जांच की गयी. तब कोल कंपनियों पर 32 हजार करोड़ रुपये का डिमांड नोट भेजा गया था. इसके बाद इस मामले को लेकर कोल कंपनियां कोल ट्रिब्यूनल चली गयीं. वहां भी राशि संशोधित करने की बात कही गयी. इसके बाद खान विभाग ने नये सिरे से डिमांड नोट तैयार किया, तो राशि 32 हजार करोड़ रुपये से बढ़ कर 34213.42 करोड़ रुपये हो गयी. सीसीएल ने अपने अधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि वह राज्य सरकार को आकलन में पूरा सहयोग करें. राज्य सरकार के अधिकारी जो भी कागजात की मांग करते हैं, उसे पूरा करायें. संबंधित एरिया के महाप्रबंधकों को इससे संबंधित पत्र कंपनी स्तर से भेजा गया है।

10वीं की हिंदी और विज्ञान परीक्षा का नया शेड्यूल जारी, अब इस तारीख को होगा एग्जाम

रांची, एजेंसी। जैक मैट्रिक की हिन्दी और विज्ञान की नई परीक्षा तिथि जारी कर दी गई है। हिन्दी एक और हिन्दी बी की परीक्षा अब 7 मार्च को आयोजित होगी, जबकि विज्ञान की परीक्षा 8 मार्च को आयोजित होगी। दोनों परीक्षाएं पहली पाली में सुबह 9.45 बजे से दिन के 1.00 बजे तक आयोजित होगी।

ये दोनों परीक्षा 18 मार्च और 20 मार्च को हुई थी, लेकिन परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद दोनों विषयों की परीक्षा रद कर दी गई थी। दोनों परीक्षाएं अपने पुराने परीक्षा केंद्रों में ही आयोजित की जाएगी। मालूम हो कि पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार परीक्षा चार मार्च तक आयोजित होगी।

बता दें कि 20 फरवरी को विज्ञान की परीक्षा होने के बाद जब प्रश्नपत्र, वायरल प्रश्नपत्र से एकदम सेम टू सेम मिल गया तब जैक बोर्ड ने भी इस लीक की बात को सही माना।

जैक बोर्ड ने खुद की जांच में भी पेपर लीक की बात को सही पाया था। इसके बाद बोर्ड ने तुरंत ही पूरे राज्य में विज्ञान और हिंदी की परीक्षा रद कर दी थी। परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद जैक बोर्ड को छात्रों के गुस्से का सामना भी करना पड़ा था। कई छात्रों ने इसे लेकर नाराजगी जताई।

प्रायोगिक परीक्षा 10 से 25 मार्च तक संबंधित विद्यालयों में ली जाएगी। साथ ही इंटरमीडिएट के विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय की परीक्षा भी इसी बीच होगी, यानि की 10 से 25 मार्च तक दोनों पालियों में आयोजित की जाएगी।

साथ ही मैट्रिक और इंटर के परीक्षार्थियों का प्रायोगिक परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन के अंक को संबंधित स्कूलों द्वारा जैक को आनलाइन भेजा जाएगा। दोनों कक्षाओं के अंकों को 11 से 26 मार्च तक भेज देने का निर्देश दिया गया है।

11वीं परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरने की तिथि बढ़ा दी गई है। स्कूलों, इंटर कालेजों व प्लस टू प्रबंधनों को निर्देश दिया गया है कि आनलाइन प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि सात मार्च तक भेज देना है।

पलामू के 251 अनुसेवक नौकरी के बर्खास्त, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ एक्शन

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू जिले के 251 अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साल 2010 में फोर्थ ग्रेड के पद पर निकली बहाली को अवैध करार देते हुए बहाली को रद्द करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू के उपायुक्त सह जिला स्थापना समिति के अध्यक्ष शशि रंजन ने समिति की बैठक में अनुमोदन कर सभी अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

इस आशय का पत्र 24 फरवरी को जारी हुआ है, जबकि शुक्रवार को अनुसेवकों को आधिकारिक तौर पर जानकारी हुई है। इधर, अनुसेवकों ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की है।

साल 2010 में पलामू जिले में फोर्थ ग्रेड बहाली के लिए विज्ञापन निकाला गया था। हालांकि, विज्ञापन में इस बात का जिक्र नहीं था कि कितने पदों पर बहाली होनी है। बहाली के लिए 22 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया था, जिसके आलोक में साल 2017-18 में सभी लोगों की बहाली हुई थी।

पूरी नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थी अमृत यादव कोर्ट गए। अमृत यादव का आरोप था कि नियुक्ति में कई प्रकार की गड़बड़ी हुई थी।

उनका परीक्षा में चयन हुआ था, लेकिन जब दोबारा पैनल बनाया गया तो उनका नाम गायब था। उनको उन्हें बताया गया कि नंबर कम है, इस कारण उनका चयन नहीं हुआ है। वे इस मामले को लेकर हाईकोर्ट गए थे।

हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अभ्यर्थी अमृत यादव सुप्रीम कोर्ट गए, जहां कोर्ट ने बहाली को अवैध करार देते हुए रद्द करने का आदेश दिया था।

अनुसेवक राजेंद्र राम के नेतृत्व में 239 अनुसेवक सुप्रीम कोर्ट गए हैं। सभी अनुसेवक बर्खास्त होने की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को पलामू के शिवाजी मैदान में जमा हुए। अनुसेवकों का कहना है कि सरकार और प्रशासन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं की गई है। वे सभी वर्षों से नौकरी कर रहे हैं, लेकिन उनलोगों की क्या गलती है।

सेवा से मुक्त होने वाले अनुसेवक उपेंद्र कुमार पासवान, सुरेश कुमार सिंह, सरिता कुमारी, विवेका शुक्ला,आशिक अंसारी, ने बताया कि 2010 के विज्ञापन पर कई अनुसेवक बहाल हुए थे, लेकिन सात अनुसेवकों को बर्खास्त नहीं किया गया है। शशि शुक्ला, राजेश कुमार शुक्ला, मो. रशीद, कमल हसन, राजू राम, मो. तौहीद व गणेश राम को बर्खास्त नहीं किया गया है, जबकि उसी रिक्ति से उनकी बहाली हुई है।

झारखंड विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सदन की गरिमा और विधायकों के आचरण पर हुई चर्चा

रांची, एजेंसी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की अहम भूमिका होती है. विधायिका और कार्यपालिका के बीच समन्वय से ही विकास की रूपरेखा तय होती है, लेकिन हाल के वर्षों में जिस तरह से विधायिका की कार्यशैली और आचरण पर सवाल उठे हैं, यह निश्चित रूप से सोचने लायक है. झारखंड विधानसभा में चल रहे विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ये बातें सामने आईं.

पिछले विधानसभा चुनाव में पहली बार निर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, वरिष्ठ विधायक सीपी सिंह जैसे राजनेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और संसदीय परंपरा और इसकी गरिमा को बनाए रखने की जरूरत बताई. कार्यक्रम की शुरुआत स्पीकर रबींद्रनाथ महतो के संबोधन से हुई.

नये सदस्यों से की संसदीय व्यवस्था को सीखने की अपील: स्पीकर ने सदन की कार्यव्यवस्था और सदस्यों के आचरण पर प्रकाश डालते हुए विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि सदस्य वेल में आकर अपनी बातों को मनवाने के लिए दवाब बनाने की कोशिश करते हैं जो संवैधानिक रूप से भलें ही उचित नहीं है. मगर व्यवहारिक रुप से अनुचित भी नहीं है. उन्होंने नये सदस्यों को संसदीय व्यवस्था को सीखने की अपील करते हुए कहा कि आपके आचरण से लोकतंत्र मजबूत होगा. इस मौके पर झारखंड विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य सीपी सिंह के द्वारा सदन की गरिमा बनाए रखने में विधायकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दी गई.

अपने संबोधन में सीपी सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मीडिया में बने रहने के लिए लोग सदन में जिस तरह का व्यवहार करते हैं, वह उचित नहीं है. उन्होंने सदन की कार्यवाही साल में कम से कम 60 दिन चलाए जाने की वकालत की और वर्तमान सरकार से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया. इसके अलावा उन्होंने विधायकों को शून्यकाल के दौरान शब्दों की संख्या, ध्यानाकर्षण, विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सीखने की सलाह दी.

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लोकतंत्र और समावेशी विकास पर अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 24 वर्ष हो गए हैं, युवा झारखंड अपने 25वें वर्ष में है, लेकिन पहले 20 वर्षों में किसी भी सरकार ने समावेशी विकास पर ध्यान नहीं दिया. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य की वर्तमान सरकार आधी आबादी से लेकर सभी वर्ग और समाज के लोगों के लिए कई योजनाएं लेकर आई है और समावेशी विकास की रूपरेखा तय करने में सफल रही है.

राज्यसभा उपसभापति ने समझाया संसदीय प्रणाली का महत्व: राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है. इससे पहले उन्हें जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा के विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला था. उन्होंने प्रशिक्षण को लेकर चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वह देश भविष्य के नेताओं को प्रशिक्षित करने का काम करता है, जिसे देखने का अवसर मुझे मिला है.

उन्होंने कहा कि अगर दुनिया उसी गति से आगे बढ़ती रही जिस गति से आप पुरानी गति से आगे बढ़ रहे हैं तो आप इस दौड़ में शामिल नहीं हो पाएंगे और आप अतीत की चीज बन जाएंगे. यह प्रशिक्षण आपको भविष्य की योजना बनाने के लिए मानसिक रूप से तैयार करता है. संसदीय प्रणाली के महत्व को समझाते हुए हरिवंश ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण हमारी लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा हैं. विधानसभा का अध्यक्ष विधानसभा का संरक्षक होता है, जिसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है.

विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर : सीएम: सदन की कार्यवाही साल में कम से कम 60 दिन किए जाने की मांग पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जरूरत पड़ी तो इस पर भी विचार किया जाएगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर विचार किया जाएगा।

दुबई तक पहुंची झारखंड के इस किसान की स्ट्रॉबरी, पीएम मोदी भी कर चुके हैं उन्हें सम्मानित

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ के गोला की पहचान कृषि हब के रूप में है. किसानों द्वारा हमेशा नया-नया प्रयोग किया जाता है. गोला के सरलाकला निवासी रचिया महतो ने पारंपरिक खेती से अलग स्ट्रॉबेरी की खेती को चुना. आज इनकी स्ट्रॉबेरी दुबई तक पहुंच गयी है. जबकि इनकी स्ट्रॉबेरी प्रतिदिन बोकारो, धनबाद, रांची, जमशेदपुर व स्थानीय बाजारों में पहुंच रही है. रचिया महतो इस्राइल समेत भारत के विभिन्न राज्यों में कृषि का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं. वह ब्रॉकली समेत कई फसलों में प्रयोग कर चुके हैं. उन्हें प्रधानमंत्री मोदी भी सम्मानित कर चुके हैं.

भाई सेवकी महतो और भाभी गीता देवी ने भी लगभग एक एकड़ पांच डिसमिल भूमि पर स्ट्रॉबेरी की खेती की है. रचिया महते ने साल 2013 में जलगांव (महाराष्ट्र) में स्ट्रॉबेरी की खेती देखी थी. 2014 में ट्रायल के रूप में लगाया, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद फिर से 2024 के सितंबर माह में उद्यान विकास से निःशुल्क मिले लगभग 20 हजार पौधे मल्चिंग विधि से लगाये.

दुबई में स्ट्रॉबेरी 375 रुपये किलो बिकी. हवाई जहाज से स्ट्रॉबेरी दुबई भेजी गयी. फिलहाल रांची, पिठोरिया, बोकारो, जमशेदपुर सहित कई शहरों में लगभग 130 से 150 रुपये की दर से स्ट्रॉबेरी बेच रहे हैं. रचिया महतो गोला प्रखंड क्षेत्र के 105 किसानों को उद्यान विकास से प्राप्त स्ट्रॉबेरी का पौधा देकर खेती करा रहे हैं. इसमें 25 किसानों को इसमें सफलता मिली है. उन्होंने कहा कि पूरे जिले में विभाग द्वारा दो करोड़ रुपये से अधिक के स्ट्रॉबेरी के पौधे किसानों के बीच वितरित किये गये हैं. उन्होंने कहा कि इस खेती के विस्तार के लिए अन्य किसानों को भी प्रेरित किया जायेगा.

कार्य में सुनीता देवी, कल्याणी कुमारी, रविता देवी, इशु देवी, सोनी कुमारी, सेवंती देवी, जुना देवी, नमिता देवी, घनश्याम महतो, प्रदीप महतो, सुरेश महतो, नरेश महतो, अक्षय महतो, बिंदेश्वर महतो को रोजगार दिया गया है. ये लोग स्ट्रॉबेरी तोड़ने से लेकर पैकिंग करने और मार्केट तक पहुंचाने में सहयोग करते हैं

रचिया महतो बताते हैं कि अभी स्ट्रॉबेरी, बेबीकॉर्न, ब्रॉकली, स्विटकॉर्न, तरबूज आदि की खेती की जा रही है. वे ग्राफ्टिंग के माध्यम से नर्सरी पौधे की तैयारी करते हैं. उन्होंने बताया कि अब आगे कीवी की फसल लगाने की तैयारी है. उन्होंने बताया कि खरीदार नहीं होने के कारण किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है. अगर सरकार यहां सब्जी और फल रखवाने के लिए कोल्ड स्टोरेज की सुविधा प्रदान करती है, तो किसानों की आय में वृद्धि होगी।

अब गर्मी में बिजली कटने का झंझट खत्म! रांची वासियों को मिली नई खुशखबरी, विद्युत विभाग ने कर दिया बड़ा काम

रांची, एजेंसी। राजधानी वासियों के लिए खुशखबरी है। इस वर्ष गर्मी में शहरवासियों को बिजली के झंझट से राहत मिल सकती है। बिजली विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है।

शहर के आठ सब स्टेशन की क्षमता बढ़ा दी गई है। जिसमें आरएमसीएच, पालटेक्निक, नामकुम, हरमू, अशोक नगर, तुपुदाना, सिदरौल, टाटीसिलवे शामिल है। आठ सब स्टेशन में मौजूद पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता को मांग के अनुसार बढ़ा दिया गया है, जिसका फायदा गर्मी के पीक आवर में लोगों को मिलेगा।

जिले में फिलहाल 360 से 370 मेगावाट बिजली की खपत पीव आवर में पहुंच रही है। गर्मी आने बढ़ने के बाद पीक आवर में लोड बढ़ेगी। इस दौरान ट्रांसफार्मर की क्षमता अधिक होने का सीधा फायदा क्षेत्र के लोगों को मिलेगी। जिससे लोड शेडिंग से बचा जा सकता है। शहर के आरएचसीएच सब स्टेशन में 10 एमबीए बढ़ा दी गई है। पालटेक्निक सब स्टेशन में 5 एमबीए, नामकुम में 5 एमबीए, हरमू में 5 एमबीए, अशोक नगर में 5 एमबीए, तुपुदाना में 10 एमबीए, सिदरौल में 5 एमबीए और टाटीसिलवे में 5 एमबीए क्षमता बढ़ा दी गई है।

यह क्षमता डिमांड के अनुसार पीक आवर को देखते हुए बढ़ाया गया है। इसका लाभ कितना होगा, यह भीषण गर्मी में ही पता चल पाएगा। वहीं 8 सब स्टेशन को मिलाकर 50 एमबीए की क्षमता को बढ़ा दिया गया है।

शहर में बिजली विभाग की ओर से जिले के 8 सब स्टेशन की क्षमता बढ़ा दी गई है। इसका फायदा गर्मी के मौसम में मिलेगा। वहीं क्षमता बढ़ा दिए जाने से लोड शेडिंग, लो-वोल्टेज, बिजली फ्लेकच्युएट, जंफर उड़ने, ट्रांसफर्मार का फ्यूज उड़ने जैसी समस्या से निजात मिलेगा। इसका सीधा लाभ क्षमता बढ़ाए गए सब स्टेशन से बिजली प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा। रांची सर्किल से लोहरदगा लाइन को अलग कर लिया गया है। अब लोहरदगा ग्रिड बनकर तैयार हो चुका है। लोहरदगा जिले को पहले हटिया ग्रिड से बिजली दी जाती थी, लेकिन दिसंबर से लोहरदगा जिले का अपना ग्रिड बनने के बाद लोहरदगा वासियों को अब हटिया ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। वहीं हटिया ग्रिड से 70 मेगावाट बिजली रांची के शहरी व ग्रमीण क्षेत्रों को मिलेगा।

रांची जेल कैदी फरार मामला: छह कक्षपाल किए गए सस्पेंड, अधिकारियों पर भी हो सकती है कार्रवाई

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के रांची के बिरसा मुंडा केंद्र कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हत्या के आरोपी के फरार हो जाने के बाद जेल आईजी ने कार्रवाई की है. जेल आईजी ने बिरसा मुंडा जेल के छह कक्षपालों को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया है.

छह पर गिरी गाज: रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से एक कैदी के फरार हो जाने की जांच शुरू हो गई है, फरार कैदी अब तक पुलिस के पकड़ में नहीं आया है. लेकिन जेल कर्मियों पर गाज गिरनी शुरू हो गई है. शनिवार को जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने सुरक्षा में लापरवाही बरतने के आरोप में जेल के छह कक्षपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

कौन कौन हुए सस्पेंड: जिन कक्षपालो को सस्पेंड किया गया है उनमें बिचा मुंडा, सत्यनायक, सुमन लोहार, राकेश कुमार सिंह, रंजीत महतो और गोपाल जी से ही शामिल हैं. जय आईजी के आदेश में यह लिखा गया है कि सभी छह कक्षपालो की ड्यूटी जेल में कैदी सुरक्षा में लगाया गया था. उनके ड्यूटी के दौरान ही जेल से कैदी फरार हो गया ऐसे में उनके द्वारा घोर लापरवाही बढ़ती गई है. इस वजह से उन्हें निलंबित किया जाता है. जेल आईजी के पत्र में यह भी लिखा गया है कि मामले की तफ्तीश अभी भी जारी है इसमें और जो भी पदाधिकारी दोषी पाए जाएंगे उन पर भी कार्रवाई की जाएगी.

कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ फरार: रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से कड़ी सुरक्षा के बीच हत्या के आरोप में सजा काट रहा कैदी समीर तिर्की गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया था. शुक्रवार की सुबह जब कैदियों की हाजिरी शुरू हुई तब जेल प्रशासन को यह जानकारी मिली कि समीर तिर्की जेल से फरार हो चुका है. मामले की जानकारी मिलने के बाद जेल प्रशासन और जेल में हड़कंप मचा हुआ है फरार कैदी की तलाश में कई टीमों को लगाया गया है.

कौन है समीर तिर्की: मिली जानकारी के अनुसार समीर तिर्की उग्रवादी संगठन से जुड़ा हुआ है. वह गुमला का रहने वाला है. गुमला पुलिस के द्वारा उसे साल 2018 में गिरफ्तार किया गया था. 2018 से ही समीर रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद था. बताया जा रहा है कि समीर गुरुवार की शाम लगभग 7:00 बजे केंद्रीय कारागार से फरार हुआ है।

सुभाषितम्

सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई ईटों से मजबूत नीव बना ले

- डेविड ब्रीक्ले

यूक्रेन और नाटो देशों के साथ ट्रम्प का विश्वासघात

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन के साथ जिस तरह की सौदेबाजी की जा रही है। नाटो देशों को अमेरिका ने अलग-अलग करके रखा है। उससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की थू- थू होना शुरू हो गई है। व्हाइट हाउस में जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलसंकि के बीच में हाई वोल्टेज बहस देखने को मिली है। मीडिया के सामने जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी बैंस ने जेलेंसकी को धमकाया। इस घटना को देखने के बाद नाटो देश अब अमेरिका का साथ छोड़कर यूक्रेन के पक्ष में खुलकर सामने आ गए हैं। अमेरिका का कहना है कि उसने 10 लाख करोड़ की मदद यूक्रेन को दी है। वहीं नाटो देशों का कहना है, उन्होंने 12 लाख करोड रुपए से ज्यादा की मदद यूक्रेन को दी है। यूक्रेन के साथ पूर्व राष्ट्रपति जो वाईडेन और नाटो देशों के बीच रूस के खिलाफ जो सहमति बनी थी। उसके अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाटो देशों के साथ कोई बात नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन से भी बात नहीं करना चाहते हैं। वह एक गैंगस्टर की तरह शांति वार्ता की डील करना चाहते हैं। जबकि यह युद्ध अमेरिका और नाटो देशों के सदस्य बनने के कारण रूस के साथ हुआ है। यूरोपीय यूनियन के उपाध्यक्ष काजा क्लास का कहना है,जिस तरह से ट्रंप व्यवहार कर रहे हैं। उसके बाद फ्री वर्ल्ड को अब ट्रंप की आवश्यकता नहीं रही। यूक्रेन के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देशों के 27 देश आ गए हैं। जिसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें यूरोप और अमेरिका में भविष्य में बढ़ने वाली हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो वाईडेन और नाटो देशों ने यूक्रेन को भरोसा दिलाया था। यूक्रेन नाटो देशों का सदस्य बनता है, तो उसे रूस के खिलाफ उसे हर संभव मदद दी जाएगी। यूक्रेन की रक्षा करने की जिम्मेदारी अमेरिका और नाटो देशों ने उठाई थी। सहायता को कर्ज नहीं माना जा सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर डोनाल्ड ट्रंप के चुने जाने के बाद बड़ी तेजी के साथ स्थितियां बदल गई हैं। अमेरिका ने जो विश्वास यूक्रेन को दिलाया था। अमेरिका अब उससे पीछे हट रहा है। सहायता को कर्ज बताकर गुंडो की तरह ब्याज पर ब्याज लगाकर वसूल करना चाहता है। ट्रंप ने अपने सहयोगी नाटो देशों को भी इस मामले से अलग कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप,रूस के पक्ष में एजेंट की तरह काम करते हुए नजर आ रहे हैं। रूस ने जो हिस्सा यूक्रेन से युद्ध में जीत लिया है। समझौते में वह रूस को देने के लिए यूक्रेन पर दबाव डाल रहे हैं। वहीं यूक्रेन में जो माईनिंग और दूसरी खनिज संपदा है। उस पर अमेरिका अपना अधिकार जता रहा है। यूक्रेन को इसके बाद भी इस बात की गारंटी ना तो रूस देने तैयार है, नाही अमेरिका भविष्य में यूक्रेन पर कोई हमला नहीं होगा। इसकी गारंटी देने तैयार है। शांति को बनाए रखने के लिए दोनों देश यूक्रेन की मदद करेंगे,यह गारंटी नहीं मिलने से, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलंसकी ने ट्रंप को व्हाइट हाउस में खरी - खरी सुना दी। वार्ता बीच में छोड़कर वह लंदन पहुंच गए। लंदन में यूरोपीय देशों के नेताओं की एक अति आवश्यक बैठक बुलाई गई है। जिसमें जर्मनी फ्रांस इटली सहित 27 देशों के नेता शामिल हो रहे हैं। पिछले तीन दिनों से पूरी दुनिया की राजनीतिक और सामरिक स्थितियां तेजी के साथ बदल गई हैं। यूक्रेन के समर्थन में यूरोप के सभी देश सामने आ गए हैं। नाटो देश भी यूक्रेन के समर्थन में खुलकर आकर खड़े हो गए हैं। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही हैं। अमेरिका के अंदर भी ट्रम्प की स्थिति खराब हो रही है। अमेरिका के राज्यों में भी ट्रंप के निर्णय को लेकर बगावत के स्वर देखने को मिल रहे हैं। ट्रंप और जेलंसकी के बीच हुए विवाद के बाद यह माना जा रहा है। अमेरिकी सरकार यूक्रेन की मदद रोक देगा। यूक्रेन के ऊपर रूस हमला तेज कर सकता है। यूक्रेन को मदद देने के लिए यूरोपियन यूनियन के देश सामने आएंगे। इससे सारी दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बन सकती हैं। इसको लेकर सारी दुनिया के देशों में तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। ट्रंप जिस तरह से एक गैंगस्टर की तरह सारी दुनिया को अपने इशारे पर चलाना चाहते हैं। उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी। अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे। भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे।

सराहनीय है जेलेंस्की का साहस

- मुस्ताअली बोहरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में तीखी बहस हो गई। जिस तरह से जेलेंस्की ने ट्रंप की आखों से आखे मिलाकर बात की उसके लिए उनकी सराहना तो बनती है। दुनिया के एक बड़े ताकतवर देश रूस से युद्ध लड़ते हुए ही दुनिया की एक और महाशक्ति से पंगा लेना हर किसी के बूते की बात नहीं है। मुमकिन है रूस से युद्ध के मोर्चे पर लड़ते हुए ट्रंप से पंगा लेना यूक्रेन को भारी पड़ जाए। वैसे भी इस बहस के बाद ट्रंप ने यूक्रेन को दी जानी वाली अरबों डॉलर की मदद बंद करने की बात कह दी थी। बावजूद इसके जेलेंस्की ने ट्रंप की हां में हां मिलाने के बजाए आत्मसम्मान के साथ ट्रंप को उनकी ही भाषा में जवाब दिया। जब नमस्ते ट्रंप करके अमेरिका को खुश करने की कोशिश की जाती रही हो वहीं ट्रंप को उनके ही घर में आईना दिखाने का कारनामा जेलेंस्की ने कर दिया। ट्रंप के साथ हुई तीखी बहस के बाद अब यूक्रेन को दुनिया के अन्य देशों का भी समर्थन मिल रहा है। दोनों के बीच हुई इस तकरार ने अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ते मतभेदों को भी उजागर कर दिया है। ट्रंप और जेलेंस्की की बीच हुई तीखी बहस ने सारी दुनिया को झकझोर दिया है। यूरोप के कई देश जेलेंस्की के पक्ष में आ गए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस को हमलावर और यूक्रेन को पीड़ित देश बताया है। मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन की मदद करना और रूस पर प्रतिबंध लगाने का हमारा फैसला सही था। जर्मनी के संभावित चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि हम यूक्रेन के साथ खड़े हैं। हमें कभी हमलावर और पीड़ित को लेकर भ्रमित नहीं होना चाहिए। पोलैंड के प्रधानमत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि यूक्रेनी मित्र आप अकेले नहीं हैं। एस्टोनिया के प्रधानमंत्री क्रिस्टन मिशल ने कहा कि उनका देश जेलेंस्की और यूक्रेन के साथ एकजुट है। स्लोवेनिया, आयरलैंड, ऑस्टिया, कनाडा, रोमानिया, क्रोएशिया, फिनलैंड, एस्टोनिया, लक्जमबर्ग, पुर्तगाल, मोल्दोवा, स्वीडन, लिथुआनिया,

लातविया, चेक गणराज्य, स्पेन, नॉर्वे, नीदरलैंड और बेल्जियम सहित अन्य देशों ने भी यूक्रेन और जेलेंस्की के प्रति एकजुटता दिखाई है। इतना ही नहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने यूरोपीय संघ और अमेरिका की बीच शिखर सम्मेलन का आव्हान करने की बात कही है। कुल मिलाकर, यूक्रेन जैसे छोटे देश ने अमेरिका को उसकी हैसियत उसी के घर पर दिखा दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच बातचीत तीखी बहस के साथ खत्म हुई। जेलेंस्की अमेरिका में ओवल दफ्तर में खनिज समझौते के लिए पहुंचे थे लेकिन रूस-यूक्रेन जंग के सवाल ट्रंप और उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच काफी गहमागहमी हो गई। ट्रंप ने जेलेंस्की पर करोड़ों लोगों की जान से खेलने का आरोप लगाया और कहा कि वो शांति नहीं चाहते। जेलेंस्की तीसरे विश्वयुद्ध का जोखिम ले रहे हैं। ट्रंप का साफ कहना था कि किसी भी संभावित संघर्ष विराम के लिए यूक्रेन को थोड़ा झुकना होगा क्योंकि वो रूस के साथ जंग नहीं जीत सकते। दोनों के बीच जुबानी जंग इतनी बढ़ी कि एक वक्त जेलेंस्की को बोला पड़ना कि जोर से मत बोलिए। इस घटनाक्रम से रूस में तो खुशी का माहौल है। पूर्व रूसी राष्ट्रपति, रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख और पुतिन के सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के साथ सही सुलूक हुआ। रूसी नेताओं का कहना है कि जेलेंस्की के अड़ियल रवैये ने रूस-यूक्रेन के बीच समझौता कराने का ट्रंप का बड़ा सपना तोड़ दिया। इस तकरार ने रूस को एक और अतिरिक्त मौका मुहैया करा दिया है।

दुनिया भर में अब इस बहस को लेकर चर्चा हो रही है। ट्रंप के रैवेये से नाराज देशों के नेताओं का कहना है कि अब साफ बोलने के समय आ गया है। इस युद्ध में अमेरिकी नेतृत्व ने पाला बदल लिया है लेकिन अमेरिकी लोगों ने पाला नहीं बदला है। जेलेंस्की के पक्ष में सहानुभूति दिखाई दे रही है। कहा जा रहा है कि वो कोई तानाशाह नहीं थे न कोई बदनाम राजनेता थे, वो यूक्रेन के राष्ट्रपति हैं जो 21वीं सदी में सबसे भयावह आक्रमण से पीड़ित देश के नेता हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते थे कि जेलेंसकी उनके सामने झुकें। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कई बार गलत तथ्य और आंकड़े पेश किए और जेलेंस्की ने उन्हें दुरूस्त किया। कुल मिलाकर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर यूक्रेन के दुलर्भ खनिज खजाने पर गड़ी है। रूस से साथ चल रहे युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप अपना हित साधना चाहते हैं लेकिन पिछले कुछ वक्त से जिस तरह अमेरिका की सुर बदले और वो रूस का समर्थन करते नजर आया उसे जेलेंस्की ने भांप लिया है। यही वजह है कि जेलेंस्की तमाम दबाव के बावजूद झुके नहीं। बहरहाल, ट्रंप को उनके ही घर में आंखे दिखाने और उनके सामने ना झुकने के कारण जेलेंस्की पूरी दुनिया में अमरिकी पीड़ित देशों के नेता के रूप में उभरे हैं। जेलेंस्की ने अमरिकी विरोधियों को एक मंच पर आने के लिए मजबूर कर दिया है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि ये तकरार किस रूप में खत्म होती है।

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

- योगेश कुमार गोयल

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश थीम के साथ मनाया जा रहा है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व वन्यजीव दिवस के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024 में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए भारतीय वन अधिनियम अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में भारतीय वन अधिनियम पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 लागू किया गया।

प्रोसेस्ड, फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएँ

-डॉ. सत्यवान सौरभ

फास्ट फूड जल्दी से जल्दी खाने और स्वादिष्ट स्वाद के लिए बनाया जाता है और यह ज्यादा पका हुआ, अत्यधिक प्रोसेस्ड और फाइबर में उच्च होता है। मानव शरीर बिना प्रोसेस्ड, अत्यधिक रेशेदार और कम से कम पके हुए खाद्य पदार्थों के लिए बना है, इसलिए वे पूरी तरह से अनुपयुक्त हैं। फास्ट फूड से शुगर स्पाइक्स इंसुलिन प्रतिरोध, वजन बढ़ने, वसा संश्लेषण और मधुमेह में पैदा करते हैं। भारत में फैलते फास्ट फूड उद्योग में इडली, वड़ा और डोसा परोसने वाले रेस्तरां, मैकडॉनल्ड्स बर्गर, डोमिनोज पिज्जा, पानीपूरी-चटमसाला कियोस्क और पावभाजी-समोसा ठेले शामिल हैं। मोटापा और मधुमेह दोनों तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारे शरीर को स्वस्थ कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, जिसे मक्खन, दूध और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों से प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन हमारे शरीर को खराब कोलेस्ट्रॉल से नुकसान होता है। सड़क पर फास्ट फूड तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले खाना पकाने के तेल में उच्च ट्राइग्लिसराइड (खराब कोलेस्ट्रॉल) सामग्री होती है, जिसे खाने से खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। । फास्ट फूड रेस्तरां अपने भोजन में स्वाद और सुगंध भी मिलाते हैं, जिससे यह अविश्वसनीय रूप से स्वादिष्ट और लगभग नशे की लत बन जाता है। आयुर्वेदिक और सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का एक प्रमुख हिस्सा हैं, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खान-पान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और जोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीका बदल गया है।

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वजन बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार खाने और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती है।

आज का राशिफल

मेष तरक्की के योग बने हैं। आपको हर कार्य में जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य प्राप्त होगा।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा।

वृषभ आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके द्वारा किए जा रहे प्रयास सफल होंगे।

वृश्चिक आज करियर में सफलता का दिन है। आपको कुछ बीमारियों से जूझना पड़ सकता है।

मिथुन आपके लिए किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है।

धनु विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा।

कर्क लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

मकर आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आपके जीवन में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे।

सिंह ग्रहों की दशा आपके लिए शुभ है। आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे।

कुंभ तनाव का अंत होगा और कारोबार में सफलता मिलने से मन काफी प्रसन्न होगा।

कन्या आपको रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी।

मीन आर्थिक मामलों में आपकी योजना सफल रहेगी और आपको आर्थिक लाभ भी मिलेगी।

विशेष

दक्षिण के राज्यों में एक बार फिर हिंदी पर बवाल

70 के दशक में दक्षिण के राज्यों में हिंदी के खिलाफ जबरदस्त मुहिम चली थी। जिसका परिणाम यह हुआ, राष्ट्रीय राजनीति में दक्षिण की भागीदारी कम होती चली गई। कांग्रेस पार्टी उत्तर भारत तक सिमट कर रह गई। जनसंघ और भाजपा भी उत्तर भारत की पार्टी थी। कम्युनिस्ट पार्टी कुछ राज्यों में सिमट कर रह गई थी। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में दक्षिण भारत और उत्तर भारत की दूरियां कम होना शुरू हुई थी। लेकिन एक बार फिर केंद्र की सरकार गलती करने जा रही है। दक्षिण के राज्यों में हिंदी थोपने के विरोध में सबसे पहले तमिलनाडु ने विरोध का नेजा उठाया। उसके पीछे दक्षिण के अन्य राज्य चलने लगे हैं। क्षेत्रीय भाषाओं पर यह सबसे बड़ा हमला है।

सरकार सदन में चर्चा नहीं कराना चाहती

बजट सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होने वाला है। सरकार ने वक्फ बिल पर 19 फरवरी को सहमति दे दी है। दूसरा चरण शुरू होने के साथ ही सरकार इसे सदन में पेश करेगी। निश्चित रूप से सदन के दोनों सदनों में हंगामा होगा। सदन की कार्यवाही नहीं चल पाएगी। सरकार भी जल्द से जल्द सरकारी कामकाज करने के बाद सदन की कार्रवाई स्थगित कर सकती है। सरकार सदन में चर्चा से भी बच जाएगी। बजट भी पास करा लिया जाएगा। सरकार अपने कामकाज हंगामा और हो हल्ले के बीच कराना चाहती है। दोनों सदनों के अध्यक्ष और सभापति सरकार के इशारे पर काम करते हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1542 : इंग्लैंड की रानी कैथरीन हवाई को मौत के घाट उतार दिया गया. 1607 : लंदन में ईस्ट इंडिया कंपनी की पहली यात्रा का नेतृत्व जान लैंकास्टर ने किया. 1633 : इटली के खगोलशाखी गैलीलियों को रोम पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया. 1673 : दिल्ली के सुल्तान जहांदर शाह की हत्या गला घोंट कर की गई. 1788 : भारत में ज्यादतियों के लिए वारेन हेस्टिंग्स पर इंग्लैंड में मुकदमा चलाया गया. 1820 : फ्रांसीस तख्त के दावेदार डक डी बेरी की हत्या कर दी गई. 1856: ईस्ट इंडिया कंपनी का लखनऊ सहित अवध पर कब्जा। 1886: नेपल्स के फ्रांसिस द्वितीय ने ग्यूसेपी गैरिबाल्डी के आगे हथियार डाले. 1896 : द्वितीय विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों ने बुडापेस्ट पर कब्जा किया. 1896 : सुरक्षा परिषद ने कांगो में गृहयुद्ध रोकने के लिए बल प्रयोग की स्वीकृति दी. 1879 : सरोजिनी नायडू का जन्म.

दैनिक पंचांग

3 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.58 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	08.29 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.09 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	12.07 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.20 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.37 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.49 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.59 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.14 ब.से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	धनु	01.30 बजे से
		मकर	03.35 बजे से
		कुंभ	05.22 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 62 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 18.03 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 06.39 बजे तदनन्तर अश्विनी 04.30 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 08.57 बजे तदनन्तर ब्रह्म 05.25 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** वणिज 07.31 बजे, विष्टि 18.03 बजे तदनन्तर बव 04.38 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 03.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872272 **जूलियन दिन** 2460737.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नदी किनारे लगाएं कद्दू, करेला, लौकी, टिण्डा

भूमि व खेत की तैयारी

नदी के किनारों पर यदि सुरक्षात्मक उपाय उपलब्ध हों जहां कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अच्छी हो एवं जल भराव न हो वहां पर कद्दूवर्गीय सब्जियों को सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। खरबूज को बलुई दोमट मिट्टी में अच्छी खाद मात्रा के साथ उगाकर अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। जहां बुवाई करनी है वहां पर 10–12 किग्रा गोबर खाद डालकर थाला बनते हैं।

जलवायु

कद्दूवर्गीय सब्जियों के उत्पादन के लिए कम से कम 20 डिग्री एवं अधिकतम 35–40 डिग्री तापमान उचित है। करेला, ककड़ी, खरबूज, तरबूज सभी ग्रीष्म ऋतु में जहां मृदा पीएच 5.5–6.5 के मध्य हो खेती आसानी से की जा सकती है।

उन्नत किस्में

करेला– पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी
लौकी– पूसा समर प्रौफेलिक राउण्ड, पूसा समर प्रौफेलिक लांग, पूसा नवीन
तरोई– पूसा चिकनी, पूसा नसदार
तरबूज– पूसा सरबती, पूसा मधुरस, हरा मधु, अर्का जीत, अर्का राजहंस

बीज उपचार एवं बुवाई

बुवाई के पूर्व 2–3 ग्राम थाइरम प्रति किग्रा बीज से बीजोपचार करें। प्रत्येक थाले में 4–5 बीज डालकर 3 सेमी गहराई पर बुवाई की जाती है। उर्वरक की उचित मात्रा का प्रयोग करते हुए नाइट्रोजन की आधी मात्रा बुवाई के समय व फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय तथा शेष नाइट्रोजन एक माह के बाद देते हैं।

सहारा देने का तरीका

कद्दूवर्गीय सब्जियां नार वाली होती है एवं आसानी से फैलती है इन्हें सहारा देने के लिए लम्बे बांस गड़ाकर इसके ऊपर तार बांध कर तारों के बीज रस्सी लगाकर अच्छी तरह सहारा दिया जाता है।

बीमारियां

चूर्णिल आसिता (पाउडरी मिल्ड्यू)

यह एक प्रकार की फफूंदी से फैलने वाली बीमारी है जिसका संक्रमण होने पर बेलों, पत्तियों एवं तनों पर सफेद परत चढ़ जाती है। इसकी रोकथाम हेतु प्रति हेक्टेयर 2 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी से हिसाब से घोल बनाकर छिड़कें।

मृदु रोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू)

इस बीमारी के प्रभाव से पत्तियों की निचली सतह पर भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं रोग का प्रकोप अधिक होने पर पत्तियां सूखकर गिर जाती हैं तथा फलों का मीठापन कम हो जाता है।

रोग नियंत्रण

रोग के रोकथाम हेतु डाइथेन जेड–78 के 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें एवं आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहराये।

श्याम वर्ण (एन्थ्रेक्नोज)

इस रोग के प्रकोप से फूलों एवं पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं। गर्म मौसम में प्रकोप अधिक होता है। रोगग्रसित भाग मुरझाकर सूखने लगते हैं।

रोग नियंत्रण – रोग के रोकथाम हेतु डाईथेन जेड–78 के 0.2 से 0.3 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें।

पौध संरक्षण

प्रमुख कीट

कद्दू वाला लाल भृंग : यह कीट लाल रंग का होता है यह नई पत्तियों को खाकर छेद कर देता है इसके रोकथाम हेतु 2 ग्राम कार्बोरिल या 3 मिली क्लोरोफिल प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर सुबह के समय छिड़के। आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरायें।

फल मक्खी

यह फल मक्खी फलों में छेद करके फल के अंदर अण्डे देता है जिससे फल सड़ जाते हैं। यह फलों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। फसल को इनसे बचाने के लिए 2 मिली मिथाइल पैराथियान प्रति लीटर पानी में गुड़ के घोल में मिलाकर छिड़कें।

बकरियों के लिये उपयुक्त आहार

जो वनस्पति उसे पसंद आ जाती हैं उसे वह कुछ ज्यादा देर तक खाती हैं। लेकिन इसका भी कोई भरोसा नहीं। वह जिद्दी स्वभावधारी पशु हैं अतः उसका दिल करें तो वह एक विशिष्ट वनस्पति पर चराई करेगी तथा जिस पल उसका दिल उस वनस्पति से भर जायें तब दूसरी वनस्पति की ओर चल देती है। बकरियां अक्सर झुंड में रहना तथा झुंड में रहकर साथ–साथ चरना पसंद करती हैं। उन्हें अकेले रहना कतई पसंद नहीं होता। अगर किसी ने ऐसी कोशिश की तो वह मायूस होकर, सहमकर या तो खड़ी रहती हैं या जमीन पर बैठ भी सकती हैं तथा चराई बंद कर देती हैं। कई बार वह भूखी होते हुये भी चराई नहीं करती। उसे खेत में वनस्पतियों से भरे मैदान में अकेले बांधकर रखें भी तो वह ऐसा ही बर्ताव दर्शाती हैं। उन्हें झुंड से अलग करने पर वह बेचैन हो जाती हैं तथा उनके गले में रस्सी बांधकर उन्हें अन्य जगह ले जाने का प्रयास करें तो वे डर जाती हैं तथा सहमकर बैठ जाती हैं। कई बार इधर–उधर भागने की कोशिश करती हैं तथा नाकामयाब होने पर मायूस होकर एक जगह हताश होकर बैठ जाती हैं।

ऐसी स्थिति में उन्हें कोई कुछ खिलाना भी चाहे तो वह उसे नहीं खाती। यहां तक कि उनकी मनपसंद पत्तियां भी खाने हेतु पेश की जाये तो भी वह उसे नहीं खाती। उन्हें जबरदस्ती चारा नहीं खिलाया जा सकता। वे अपनी मर्जी की मालिक होती हैं। उनके सामने किसी बर्तन में खाने योग्य पत्तियां डालने पर भी वह उसे नहीं छूती। अगर कोई पत्तियां या चारा जमीन पर गिर जाये तो वह उसे नहीं छूती। उसे गीला, मटमैला कीचड़ भरा चारा कतई पसंद नहीं होता। उन्हें खाने में हमेशा बदलाव पसंद है। एक बार उन्होंने कोई विशिष्ट चारा ग्रहण किया तो अगली बार यह जरूरी नहीं कि वे वह चारा दोबारा खायेगी। यहां तक कि एक बकरी को जो चारा पसंद आये वह दूसरी बकरी को पसंद आ जायेगी। हर एक की पसंद अलग–अलग होती हैं।

केन्द्रीय मरु अनुसंधान संस्थान जोधपुर के तहत कार्यरत क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, पाली, मारवाड़ राजस्थान में किये गये अध्ययन में ज्ञात हुआ कि गर्मियों में जब चरागाह में कोई चारा या घास उपलब्ध नहीं होता तब जो भी चारा मिले उसे मारवाड़ी नस्ल की बकरियां खा लेती हैं। यहां तक की भूखी होने पर बाड़े में लगी बेर की सूखी कटीली टहनियां भी खा जाती हैं। जनवरी तथा फरवरी माह में जब चारागाह में काफी हरी वनस्पतियां मौजूद होती हैं तब उनके खान–पान व्यवहार का गहन अध्ययन करते हुये ज्ञात हुआ कि मारवाड़ी बकरियों ने सबसे ज्यादा यानि बेरी के खंखाडों पर 55.79 प्रतिशत समय बिताया और उसकी पत्तियों खाई। इसके बाद उनकी दूसरी पसंद खेजड़ी की पत्तियां थी जिस पर उन्होंने 24.30 प्रतिशत समय बिताया। इसके बाद उनकी तीसरी पसंद जिजनी नामक कटीली फलीधारी वनस्पति थी जिस पर उन्होंने 5.69 प्रतिशत समय बिताया। इसके बाद उन्होंने रोहिडा वनस्पति पर 4.89 प्रतिशत, कर वनस्पति पर 4.50 प्रतिशत तथा देशी बबूल की पत्तियों पर 1.99 प्रतिशत समय बिताया।

बकरियों की कुछ शारिरिक विशेषताएं होती हैं। वे छरहरी, पतली तथा हल्के शरीरधारी होती हैं। वे तेज दौड़ सकती हैं तथा पिछले दो पैरों पर खड़ी होकर ऊंचाई पर स्थित वनस्पति की चराई कर सकती हैं। उनके ऊपरी होठ में एक दरार होती हैं तथा जीभ लंबी होती हैं जिनकी मदद से वह छोटे से छोटा पत्ता भी पकड़कर आसानी से खा सकती हैं। वह हमेशा जल्दबाजी में चरती हैं तथा कुछ देर पश्चात पेट भरने पर किसी पेड़ की छाया में आराम से बैठकर जुगाली करती हैं।

बकरियों के खान–पान व्यवहार पर कुछ अनुसंधान हुआ है जिनके शोधपरिणामों पर आधारित जानकारी अनुसार उन्हें कुछ वनस्पतियां जैसे बेर, खेजडी, जिजनी, रोहिडा, देशी बबूल, जंगल जलेबी, आर्डू पीपल, करंज ,गिरीपुष्प, सावरी, अशोक, इमली चिंचबिलाई आदि वनस्पतियों की पत्तियां खाना पसंद करती हैं। इसके अलावा उन्हे बेर के फल (बोरियां), बबूल की फल्लियां, कैर के फल शेहिडा के फूल आदि खाना पसंद हैं। इनके अलावा उन्हें स्वादिष्ट, रसीली, हरी भरी घांस जैसे बरसीम, ल्यूसर्न, चौलाई तथा स्वादिष्ट अनाज खाना पसंद होता हैं। अतः उन्हें उपरोक्त लिखित वनस्पतियों की पत्तियां, फूल, फल तथा घास–फूंस जो भी पसंद हैं वह खिलाये जायें तो उनका चारा ग्रहण तथा शुष्क पदार्थों का ग्रहण ज्यादा होगा। इन पदार्थों का स्वादिष्टता तथा पाचनीयता भी ज्यादा होने से भी ग्रहण अधिक होगा। इससे बकरियों का स्वास्थ्य अच्छा रहने के साथ बढ़वार, वृद्धिदर, प्रजनन क्षमता, दूध उत्पादन तथा मांस उत्पादन में बढ़ोतरी होने के ज्यादा आसार हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित होगा।

जायद की तिल लगायें

भूमि– दोमट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी– अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5–6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी–22, टीकेजी–55, जेटीएस–8, टीकेजी–306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3–4 सप्ताह बाद डालें।

निराई-गुड़ाई

बोने के 15–20 दिन बाद निराई–गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।

सिंचाई

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई–जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा सिंचाई सुबह–शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल को पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फल्ली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्विनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता हैं जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं।

अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकटठा कर नष्ट करें। डायथेन एम–45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज

700–800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

निफ्टी का मूल्यांकन अच्छा, बाजार में होगा सुधार

बोले केंद्रीय मंत्री

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार के हाल को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में कुछ अच्छी बिकवाली हुई। इसके बाद निफ्टी का मूल्यांकन अच्छा और उचित है। भारतीय बाजार में कुछ और सुधार होने की उम्मीद है। मुंबई में म्यूचुअल फंड के समूह एम्फी के कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि निफ्टी के कुछ शेयरों में गिरावट देखी जा सकती है। लेकिन निफ्टी अभी भी अच्छा मूल्यांकन दिखा रहा है। एक विकासशील देश के लिए यह मूल्यांकन उचित है। यहां कुछ सुधार हो सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बाजार में चल रही गिरावट उन लोगों के लिए चेतावनी है, जिन्होंने छोटे निवेशकों को सही सलाह नहीं दी है। एम्फी उन लोगों को हटाए जो ग्राहकों को सही सलाह नहीं देते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि म्यूचुअल फंड को बड़े बाजार के प्रति अपने कर्तव्य और प्रतिबद्धता से पीछे नहीं हटना चाहिए। उनको केवल रिटर्न पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो तीन साल बाजार में खूब बढ़ोतरी हुई है, यहां कई शेयरों की कीमतें बाजार से मिले धन को निवेश करने की मजबूरी और कुछ छूट जाने के डर से जुड़ी थीं। सभी हितधारकों को हाल के दिनों में हुई घटनाओं के बारे में सोचना होगा। हम बाजार के कुछ हिस्सों में विकसित हो रही निवेश संस्कृति के खतरों की अनदेखी नहीं कर सकते। छोटी

रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी 1 शेयर पर दे रही है 17.50 रुपये का डिविडेंड

नईदिल्ली, एजेंसी। रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी मेट्रो ब्रांड्स ने अंतरिम डिविडेंड और स्पेशल डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी इसी हफ्ते एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों भाव 3.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1120.15 रुपये के लेवल पर थे।

1 शेयर पर 17.50 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी- मेट्रो ब्रांड्स ने शेयरों बाजारों को 28 फरवरी को दी जानकारी में बताया था कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर 3 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और 14.50 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दे रही है। यानी हर एक शेयर पर योग्य निवेशक 17.50 रुपये का डिविडेंड दे रही है। कंपनी इस हफ्ते शुक्रवार यानी 7 मार्च को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही है। बता दें, यह कंपनी नियमित अंतराल पर निवेशकों को डिविडेंड देती आ रही है।

रेखा झुनझुनवाला के पास कितनी हिस्सेदारी?

कंपनी में रेखा झुनझुनवाला की कुल - हस्सेदारी 9.6 प्रतिशत है। पब्लिक की इस कंपनी में कुल हिस्सेदारी 17 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। बता दें, एफआईआई के पास 3.43 प्रतिशत और एमएफ के पास 6.9 प्रतिशत हिस्सा है।

नौकरियों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हुई

बिना कमाई वाले कामों में दे रहीं कम समय

नईदिल्ली, एजेंसी। महिलाओं की नौकरियों में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं अब पहले से कहीं अधिक सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। लैंगिक समानता की दिशा में यह मजबूत कदम है। सरकार की ओर से जारी एक हालिया आंकड़े फिर इसकी पुष्टि कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, रोजगार से जुड़ी गतिविधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 2024 में बढ़कर 25 फीसदी पर पहुंच गई। 2019 में रोजगार और उससे संबंधित गतिविधियों में महिलाओं का हिस्सा 21.8 फीसदी था। इसके अलावा महिलाएं अब उन घरेलू कामों पर कम समय खर्च रही हैं, जिनमें किसी तरह का पैसा नहीं मिलता।

रोजगार में पुरुषों की भागीदारी बढ़ी

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी टाइम यूज सर्वे के अनुसार, रोजगार से जुड़ी गतिविधियों में महिलाओं के साथ पुरुषों का भी हिस्सा बढ़ा है। 15 से 59 साल की आयु के लोगों में रोजगार से जुड़ी गतिविधियों में पुरुषों की भागीदारी 2019 में 70.9 फीसदी से बढ़कर 2024 में 75 फीसदी हो गई।

सर्वे में करीब 1.40 लाख परिवार शामिल

सर्वे में 1,39,487 परिवार (ग्रामीण- 83,247 और शहरी- 56,240) शामिल थे। सर्वेक्षण में 6 साल और उससे अधिक आयु के 4,54,192 व्यक्तियों को शामिल किया गया है। इसमें 2,85,389 लोग ग्रामीण और 1,68,803 शहरी लोग हैं। लोग अपने रोज के कामकाज में समय का किस तरह इस्तेमाल करते हैं, यह जानने के लिए सर्वे किया गया है। इसका मकसद भुगतान और बिना वेतन वाली गतिविधियों में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी का पता लगाना है।

परिवार की देखभाल में महिलाएं अव्वल- घर की जिम्मेदारी उठाने के मामले में महिलाएं एक बार फिर से पुरुषों से आगे हैं।

बिना पगार वाले कामों पर महिलाएं खर्च कर रही हैं कम समय

मंत्रालय के अनुसार, अवैतनिक घरेलू सेवाओं में अब महिलाएं पहले के मुकाबले कम समय खर्च कर रही हैं। इनमें वे घरेलू काम शामिल होते हैं, जिनमें कोई वेतन नहीं मिलता है। बिना पैसे वाले घरेलू कामों में महिलाओं ने पांच साल पहले 2019 में 315 मिनट खर्च किए। यह 2024 के दौरान घटकर 305 मिनट रह गए हैं। यह दिखाता है कि महिलाएं बिना पैसे वाले कामों से पैसे वाली गतिविधियों की तरफ रुख रही हैं। सर्वे में जानकारी जुटाने के लिए 24 घंटे की अवधि को आधार बनाया गया है।

जल्दी अमीर बनना चाहता था आईआईटी इंजीनियर, अच्छी खासी नौकरी छोड़कर शुरू किया स्टार्टअप

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अच्छी खासी नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू करना कई लोगों का सपना होता है। लेकिन हकीकत में यह सफर काफी मुश्किल भरा हो सकता है। आईआईटी कानपुर से पढ़े और बेंगलुरु के ओकेक्रेडिट के को-फाउंडर हर्ष पोखरणा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने दस साल के कारोबार के सफर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बिजनेस शुरू करने में कितनी चुनौतियां आती हैं। पोखरणा ने फ्लिपकार्ट की अपनी नौकरी छोड़ दी थी। वह जल्दी से बहुत पैसा कमाना चाहते थे। उन्होंने देखा था कि कई स्टार्टअप फाउंडर्स को बड़ी फंडिंग मिल रही थी, जिससे वो प्रेरित हुए थे। लेकिन शुरुआती साल उनके सोचे हुए से बिल्कुल अलग थे। उन्होंने तीन अलग-अलग बिजनेस आइडिया पर काम किया, लेकिन कोई भी सफल नहीं हुआ। इससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई। अपनी बचत खत्म होने के बाद, उन्होंने अपना खर्चा चलाने के लिए फ्रीलांसिंग का काम शुरू किया। साथ ही वो नए बिजनेस आइडिया पर भी काम करते रहे।

दो साल रहे नाकाम- दो साल की नाकामी के बाद पोखरणा ने ओकेकेडिट शुरू की। यह छोटे व्यवसायों के लिए एक डिजिटल खाता-बही प्लेटफॉर्म है। धीरे-धीरे इस स्टार्टअप को सफलता मिलने लगी। पोखरणा के सफर से एक अहम सबक मिला- स्टार्टअप की दुनिया में सफलता रातोंरात नहीं मिलती। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिजनेस बनाना एक लंबी प्रक्रिया है, न कि जल्दी अमीर बनने का कोई शॉर्टकट। उद्यमियों को सिर्फ पैसा कमाने के लालच से नहीं, बल्कि समस्याओं को हल करने की इच्छा से प्रेरित होना चाहिए।

विवाहित महिला 500 ग्राम सोने के गहने रख सकती है

नईदिल्ली, एजेंसी। महिलाओं की सबसे पसंदीदा चीज की बात की जाए तो इसमें बेशक पहला नाम सोने के आभूषणों का आएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इसकी कोई तय सीमा है? क्या किसी सीमा से अधिक आभूषण रखने पर आपके खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई हो सकती है? तो बता दें कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में इसकी सीमा तय की है।

नियमों के मुताबिक, एक विवाहित महिला 500 ग्राम सोने के गहने रख सकती है। अविवाहित महिला के लिए यह सीमा 250 ग्राम है। वहीं पुरुषों के मामले में स्थिति थोड़ी साफ है। वह चाहे विवाहित हो अथवा अविवाहित, परिवार में प्रत्येक सदस्य के लिए यह सीमा 100 ग्राम तय की गई है। यानी कि यदि आयकर विभाग छापा मारता है तो इस मात्रा तक के स्वर्ण आभूषणों को जब्त नहीं किया जा सकता।

टैक्स एवं इंवेस्टमेंट एक्सपर्ट बलवंत जैन कहते हैं कि सीबीडीटी के परिपत्र से यह स्पष्ट हो गया कि निर्धारित सीमा तक के सोने की जब्ती नहीं होगी, भले ही परिवार की आय कुछ भी हो. आयकर छापे की स्थिति में तय सीमा तक की मात्रा के आभूषणों को अलग कर दिया जाएगा. वह शेष आभूषणों को ही आयकर विभाग अपने साथ ले जा सकता है।

सवाल अभी भी यही उठता है कि क्या आप इस सीमा से अधिक आभूषण नहीं रख सकते नियमों के मुताबिक सीमा से अधिक आभूषण रखने पर आयकर विभाग आपसे इनके स्रोत पूछ सकता है। अगर आप इस बारे में पूरा ब्योरा मुहैया करा देते हैं तो छापे की कार्रवाई के दौरान यह आभूषण जब्त नहीं किए जाने चाहिए। हालांकि, ऐसा नहीं है कि निर्धारित सीमा तक आभूषण रखने पर आपसे कोई पूछताछ नहीं होगी। नियमों के मुताबिक छापे के दौरान सीमा के भीतर पाए गए आभूषणों को खरीदने के लिए जुटाई गई रकम के स्रोत का ब्योरा देना पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि जब भी आभूषण खरीदें, उसकी पक्की रसीद अपने पास सुरक्षित रखें। इसके अलावा नए आभूषणों के मेकिंग चार्ज के भुगतान की रसीदों को भी सुरक्षित रखना आपके हित में रहेगा।

साइबर हमला: भारतीय कंपनियों को 20000 करोड़ के नुकसान की आशंका

खुदरा-ई-कॉमर्स को 5800 करोड़ की चपत की संभावना

नईदिल्ली, एजेंसी। साइबर अपराधों के कारण इस साल भारतीय संस्थाओं को 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। साइबर सुरक्षा खुफिया फर्म क्लाइड सेक ने रिपोर्ट में कहा, उसने विभिन्न क्षेत्रों की 200 कंपनियों, 5,000 से अधिक डोमेन और लगभग 16,000 ब्रांड दुरुपयोग के डाटा साइबर अपराध पैटर्न और वित्तीय प्रभावों आदि का विश्लेषण कर यह अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 20,000 करोड़ रुपये में से 9,000 करोड़ रुपये अकेले ब्रांड नाम के दुरुपयोग के कारण है। सभी साइबर अपराध की घटनाओं में से एक तिहाई में ब्रांड का दुरुपयोग शामिल है। करीब 70 फीसदी साइबर अपराध उच्च मूल्य वाले सेगमेंट में होते हैं। साइबर अपराध की शिकायतें 25 लाख से अधिक होने की उम्मीद है। इनमें से 5 लाख शिकायतें ब्रांड से जुड़ी हो सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 के पहले नौ महीनों में 11,333 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इस साल बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं को 8,200 करोड़ रुपये के नुकसान का सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। खुदरा और ई-कॉमर्स को 5,800 करोड़ और सरकारी सेवाओं को 3,400 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। धोखाधड़ी वाले डोमेन (वेबसाइट नाम) में 65 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। धोखाधड़ी वाले एप में 83 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

एलन मस्क की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा गिरावट आई

● इसके बावजूद वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं ● फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। साल के पहले दो महीने बीत चुके हैं। इस साल दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने सबसे ज्यादा पैसा गंवाया है जबकि फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग ने सबसे ज्यादा कमाई की है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स समेत कई कंपनियां चला रहे मस्क की नेटवर्थ में इस साल 81.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इसके बावजूद वह 351 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 7.93 अरब डॉलर की तेजी आई। इससे पहले दो दिन में उनकी नेटवर्थ करीब 30 अरब डॉलर गिरी थी। इसके बावजूद मस्क और जकरबर्ग की नेटवर्थ में 115 अरब डॉलर का

अंतर है। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ जकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा उछाल आई है। इस साल उनकी नेटवर्थ 28.2 अरब डॉलर उछली है। वह 236 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उनकी कंपनी 1.692 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूबल कंपनियों की लिस्ट में सातवें नंबर पर पहुंच गई है जबकि मस्क की टेस्ला 942.37 अरब डॉलर के साथ नौवें नंबर पर है। इस लिस्ट में ऐपल, एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, ऐमजॉन, अल्फाबेट और सऊदी अरामको टॉप छह में शामिल हैं।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मस्क और जकरबर्ग के बाद ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस तीसरे, बर्नार्ड अरनॉल्ट (.192 अरब) चौथे, लैरी एलिसन (.187 अरब) पांचवें, बिल गेट्स (.165 अरब) छठे, वॉरेन बफे (.161 अरब) सातवें, लैरी पेज (.154 अरब) आठवें, सर्गेई ब्रिन (.145 अरब) और स्टीव बालमर दसवें नंबर पर हैं। बेजोस, एलिसन, पेज, ब्रिन और बालमर की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। इस लिस्ट में मुकेश 17वें और गौतम अडानी नंबर पर हैं। इन दोनों की नेटवर्थ में भी इस साल गिरावट आई है।

आईएमएफ का रिपोर्ट: 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारत की जीडीपी

रोजगार व विकास को बढ़ाने के लिए सुधारों की जरूरत

मुंबई, एजेंसी। मजबूत निजी निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता के दम पर भारत की सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी दर 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। इस आधार पर यह सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखेगा। अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन देश को 2047 तक एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

भारत सरकार के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2024-25 के दौरान देश की अर्थव्यवस्था के 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। खाद्य कीमतों के झटके कम होने के कारण मुख्य महंगाई लक्ष्य के अनुरूप होने की उम्मीद है। आईएमएफ ने कहा, निजी निवेश, रोजगार को बढ़ावा देने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधारों के गहन कार्यान्वयन की जरूरत है। आईएमएफ ने कहा, गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करने, निवेश को बढ़ावा देने और उच्च संभावित विकास को प्राप्त करने के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधार महत्वपूर्ण हैं। प्रयासों को श्रम बाजार सुधारों को लागू करने, मानव पूंजी को मजबूत करने और श्रम बल में महिलाओं की अधिक भागीदारी का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

निजी निवेश और एफडीआई बढ़ाने की जरूरत - रिपोर्ट के अनुसार, निवेश और एफडीआई को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्थिर नीति ढांचे, व्यापार करने में अधिक आसानी, गवर्नेंस सुधार और व्यापार एकीकरण में वृद्धि की जरूरत है। इनमें टैरिफ और गैर-टैरिफ कटौती दोनों उपाय शामिल होंगे।

पेटीएम ने 8 साल पहले खरीदी थी दो कंपनियां, अब ईडी ने भेजा नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। फिनटेक फर्म पेटीएम की पैरेंट कंपनी-वन97 कम्युनिकेशंस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दो सब्सिडयरी कंपनियों के अधिग्रहण के संबंध में कंपनी द्वारा कुछ फेमा नियमों के कथित उल्लंघन के लिए नोटिस भेजा है। बता दें कि पेटीएम ने दोनों कंपनियों का अधिग्रहण 2017 में किया था। ये सब्सिडयरी कंपनियां- लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं।

क्या कहा कंपनी ने- वन97 कम्युनिकेशंस ने बताया- यह कंपनी द्वारा दो सब्सिडयरी कंपनियों लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड (एलआईपीएल) और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनआईपीएल) के साथ-साथ कुछ निदेशकों और अधिकारियों के अधिग्रहण के संबंध में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 ('फेमा') के कुछ प्रावधानों के वर्ष 2015 से 2019 के लिए कथित उल्लंघन के संबंध में है। सूचना में कहा गया कि यह नोटिस वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड, इसकी दो अधिग्रहीत अनुषंगी कंपनियों एलआईपीएल और एनआईपीएल, तथा कंपनी और इसकी दो अनुषंगी कंपनियों के कुछ वर्तमान और पूर्व निदेशकों और अधिकारियों को जारी किया गया है।

सेवाओं पर नहीं पड़ेगा असर- पेटीएम ने कहा कि इस मामले को लागू कानूनों के अनुसार हल करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और इस मामले का पेटीएम की अपने उपभोक्ताओं और व्यापारियों को दी जाने वाली सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सभी सेवाएं हमेशा की तरह पूरी तरह चालू और सुरक्षित हैं।

अब शेयर पर रहेगी नजर

बीते शुक्रवार को पेटीएम के शेयर की बात करें तो यह 1.30 प्रतिशत टूटकर 716.30 रुपये पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर का निचला स्तर 698.10 रुपये था। मई 2024 में शेयर की कीमत 310 रुपये के लो पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है। दिसंबर 2024 में शेयर 1,063 रुपये के 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

विदर्भ ने जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

फाइनल में केरल को हराया

नागपुर, एजेंसी। विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जो? थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय व?कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया। दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

तीसरी बार बना चैंपियन

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025

साउथ अफ्रीका चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में, अफगानिस्तान का टूटा सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में चारों सेमीफाइनिलस्ट का फैसला हो गया है. न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीकी टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है. साउथ अफ्रीका की एंट्री के साथ ही अफगानिस्तान की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं. इंग्लैंड यदि साउथ अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करता तो अफगानिस्तान के लिए चांस बनता. लेकिन इंग्लिश टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में 179 रनों पर ही ढेर हो गई. जवाब में साउथ अफ्रीका ने 29.1 ओवरों में ही तीन विकेट खोकर टारगेट को हासिल कर लिया. हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में कौन सी टीम किससे मुकाबला करेगी, ये 2 मार्च (रविवार) को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले के बाद ही पता चल पाएगा. ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं. वहीं ग्रुप-बी से साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने ये उपलब्धि हासिल की. बता दें कि अफगानिस्तान की टीम तभी सेमीफाइनल में पहुंच पाती, जब इंग्लिश टीम

साउथ अफ्रीका के खिलाफ कम से कम 207 रनों से जीत हासिल करती. ताकि साउथ अफ्रीका का नेट-रनरेट अफगानिस्तान से कम हो जाए. हालांकि इंग्लिश बल्लेबाजों ने कराची के मैदान पर शर्मनाक प्रदर्शन किया और उसकी टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई. चैम्पियंस ट्रॉफी में ग्रुप-ए की बात करें तो इसमें भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और पाकिस्तान की टीमें हैं. न्यूजीलैंड की टीम इस ग्रुप में दो मैचों में दो जीत के साथ पहले नंबर पर है. कीवी टीम का नेट रनरेट 0.863 है. उधर, भारतीय टीम इस समय दो मैचों में दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर है. भारत के 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट 0.647 है. हालांकि दोनों में से कौन सी टीम नंबर-1 पर रहेगी, इसका फैसला 2 मार्च को होगा. वहीं, बांग्लादेश तीसरे, जबकि पाकिस्तान चौथे नंबर पर है. दोनों टीमों के एक-एक अंक रहे, लेकिन बेहतर नेट-रनरेट के चलते बांग्लादेश टेबल में पाकिस्तान से आगे है.

हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है: ब्रेंडन मैकुलम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम लगातार दो आईसीसी वनडे टूर्नामेंटों से पहले दौर में बाहर होने के बाद काफी मुश्किल में है। इंग्लैंड पहले भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गया। दोनों टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन का एक जैसा ही नजारा देखने को मिला।

बल्लेबाजी आक्रमण में 50 ओवरों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने के लिए कोई खाका नहीं था और तेज गति के गेंदबाजों के बावजूद गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिख रहा था। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने टूर्नामेंट के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट से हार के बाद कहा, हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, जाहिर तौर पर हम बहुत निराश हैं। उन्होंने कहा, हमें टूर्नामेंट को धमाकेदार तरीके से खत्म करने की बहुत उम्मीद थी, लेकिन हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है। हम अगले कुछ हफ्तों में अपनी सोच को बदलेंगे और अपने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में सुधार के लिए प्रयास करना शुरू करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम इस पर पूरी तरह से ध्यान दें और ऐसा तरीका खोजें जिससे हम खुद को उस स्थिति में वापस ला सकें जहां हमें होना चाहिए। मैकुलम ने कहा कि भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला इंग्लैंड के लिए टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार होने का एक अच्छा अवसर था।

डब्ल्यूपीएल 2025

शेफाली वर्मा की तूफानी पारी ने आरसीबी को किया पस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा पिछले कुछ महीनों से टीम इंडिया से बाहर हैं। हालांकि महिला प्रीमियर लीग में अपने नियमित प्रदर्शन से उन्होंने फिर से टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। शनिवार को शेफाली ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए तूफानी पारी खेली। आरसीबी के खिलाफ शेफाली के बल्ले से 80 रन निकले। वह अब तक सात मैचों में 43.33 के औसत से 260 रन बना चुकी हैं। वह लीग में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।

दिल्ली ने आरसीबी को दी मात

मैच की बात करें तो शेफाली वर्मा और जेस जोनासेन के विस्फोटक अर्धशतकों से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 27 गेंद रहते नौ विकेट से हराकर जीत की लय जारी रखी। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से करारी शिकस्त देने वाली दिल्ली कैपिटल्स के लिए शेफाली और जोनासेन ने दूसरे विकेट के लिए महज 77 गेंद में 146 रन की अटूट साझेदारी निभाकर आसान जीत दिलाई।

शेफाली की तूफानी पारी- शेफाली ने अपनी तेज तर्रार पारी के लिए 43 गेंद खेली जिसमें आठ चौके और चार छक्के जड़े थे। वहीं जोनासेन ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 38 गेंद में नौ चौके और एक छक्के से नाबाद 61 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान मेग लैंनिंग (02) के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया।

आरसीबी ने एलिस पैरी (नाबाद 60 रन) की अर्धशतकीय पारी से पांच विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स ने शेफाली और जोनासेन की मदद से यह लक्ष्य 15.3 ओवर में एक विकेट पर 151 रन बनाकर हासिल कर लिया।

पैरी का अर्धशतक गया बेकार

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पैरी ने आरसीबी को शुरुआती झटकों से उबारते हुए सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 47 गेंद में तीन छक्के और इतने ही चौके से 60 रन की पारी खेली। पैरी के अलावा राघवी बिष्ट ने 33 रन का योगदान दिया जिसके लिए उन्होंने 32 गेंद में दो छक्के जमाये। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी खिलाड़ी पैरी ने इंग्लैंड की डानी वाट होज (21 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 44 रन और राघवी के साथ 68 रन की साझेदारी निभाकर आरसीबी की पारी मजबूत की। इस पारी से पैरी इस साल की डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं, उन्होंने छह मैच में 98.33 के औसत से 295 रन बना लिए हैं। डानी वाट होज ने एक छक्के और दो चौके से 18 गेंद में 21 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स के लिए शिखा पांडे और श्री चरानी ने 28-28 रन देकर दो दो विकेट झटके। मारिजाने काप ने नयी गेंद से कसी गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर एक विकेट लिया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर है। मुंबई इंडियंस की टीम पांच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ दूसरे नंबर पर है।

मैंने वेट्रेस के तौर पर काम किया

गुजरात जायंट्स की ऑलराउंडर का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात जायंट्स की इंग्लिश ऑलराउंडर डेनियल गिब्सन ने खुलासा किया कि वह पूर्णकालिक क्रिकेटर बनने से पहले वेट्रेस के तौर पर काम करती थीं, हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं था। गिब्सन ने पैसे कमाने के लिए एक स्थानीय पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। उन्होंने डब्ल्यूपीएल 2025 मिनी-नीलामी में जायंट्स से 30 लाख रुपए का अनुबंध हासिल किया। गिब्सन ने 22 टी20आई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि वह महिला प्रीमियर लीग में अपना व्यापार करके अच्छी खासी कमाई कर रही हैं, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। गिब्सन ने रैपिड-फायर सेशन के दौरान बोलते हुए कहा, मैंने इंग्लैंड में एक पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। मुझे इसमें मजा नहीं आया। उसी वीडियो में गिब्सन ने बताया कि पहली बार वह 18 साल पहले लॉर्ड्स में लाइव क्रिकेट मैच देखने गई थी, जब वह सिर्फ छह साल की थी। उसने आगे बताया कि वह अपने भाइयों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हुए देखने गई थी। जब गिब्सन से उनके पहले क्रिकेट हीरो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम लिया। उन्होंने बताया कि उनका पहला फोन सैमसंग टचस्क्रीन डिवाइस था। जब उनसे उनके पहले टैटू के बारे में पूछा गया तो गिब्सन ने कहा, मुझे क्रिकेट पसंद नहीं, बहुत पसंद है। 2001 में ग्लॉस्टरशायर में जन्मी गिब्सन ने जुलाई 2023 में बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई में इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया। वह आखिरी बार पिछले महीने नॉर्थ सिडनी में गवर्नर-जनरल इ्द्ध महिलाओं के खिलाफ महिला एशेज टूर गेम में नजर आई थीं, जहां उन्होंने 3-0-14-0 की अच्छी गेंदबाजी की थी।

हार्दिक का शतक, 11 छक्के उड़ाते हुए मारा मैदान

सिर्फ 58 गेंदों में नाबाद 132 रन ठोककर जिताया मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। हार्दिक का जवाब नहीं. उनकी बल्ले से निकली तूफानी पारी का जवाब नहीं. ये हार्दिक पंड्या नहीं बल्कि हार्दिक तमोर का कमाल है. 19वें डीवाई पाटिल झ्20 लीग में 1 मार्च को खेले मुकाबले में मचाया उनका धमाल है. 220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्दिक ने सिर्फ 58 गेंदों पर ऐसा घमासान मचाया कि जीत पक्की हो गई. हार्दिक ने आखिर तक नाबाद रहते हुए 132 रन जड़े, जिसमें 11 छक्कों के अलावा उतने ही चौके भी शामिल रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 227. 92 का रहा.

हार्दिक के इरादे के आगे घुटने टेकी टीम- डीवाई पाटिल टी-20 लीग में मुकाबला निर्लॉन और जैन इरिगेशन की टीम के बीच था. हार्दिक तमोर इस मैच में जैन इरिगेशन का हिस्सा थे. 1 मार्च को खेले मैच में निर्लॉन ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 219 रन बनाए. अब जैन इरिगेशन के सामने 220 का लक्ष्य था. इस लक्ष्या का पीछा करते हुए उसके टॉप ऑर्डर के 3 विकेट 100 रन के अंदर गिर गए. लेकिन, गिरते हुए विकेटों के बीच हार्दिक तमोर के इरादे कुछ और ही थे.

11 छक्के, 11 चौके और 132* रन हार्दिक का जवाब नहीं

अपने बुंलद इरादों के साथ हार्दिक ने निर्लॉन के गेंदबाजों पर हल्ला बोल दिया. और, फिर जो रिजल्ट निकला, उसने टीम की जीत का प्रोग्राम बना दिया. हार्दिक ने 92 मिनट तक बल्लेबाजी की, जिसमें 58 गेंदों का सामना करते हुए ना सिर्फ अपना धमाकेदार शतक पूरा किया बल्कि टीम को जीत भी दिला दी. हार्दिक ने 11 छक्के और 11चौके जमाते हुए नाबाद 132 रन बनाए. हार्दिक तमोर के नाबाद तूफानी शतक की बदौलत जैन इरिगेशन ने मुकाबला 18वां ओवर खत्म होते ही जीत लिया. मतलब 12 गेंदें हाथ में रहते हुए उसने ये मुकाबला जीता.

प्राग मास्टर्स

प्राग मास्टर्स में प्रज्ञानंद ने केमेर को हराया, संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचे

प्राग, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अराविंद चिदंबरम के साथ शीर्ष पर है। अराविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेइ यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया।

नीदरलैंड के अनीश गिरि ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किये के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही।

इंजमाम उल हक़ ने भारत के खिलाफ उगला जहर!

सभी देशों से कीआईपीएल बॉयकॉट की अपील!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान सालों बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है. 19 फरवरी से शुरू हुआ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान है. लेकिन टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच दुबई में खेला जाएगा. यहां तक कि 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच भी दुबई में होगा अगर भारतीय टीम अपना सेमीफाइनल मैच जीत जाती है तो. चैंपियंस ट्रॉफी में भारत अपने सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेल रहा है. यही कारण है कि एक सेमीफाइनल मैच भी यहां आयोजित किया गया है. भारत के फाइनल में प्रवेश करते ही फाइनल भी दुबई में तय हो जाएगा. मेजबान पाकिस्तान पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है. वर्ल्ड क्रिकेट पर बीसीसीआई का दबदबा पाकिस्तानियों को बहुत चुभता है. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक़ ने सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड से अपील की है कि वह अपने प्लेयर्स को आईपीएल में ना भेजें.

इंजमाम उल हक ने एक टीवी शो पर कहा, चैंपियंस ट्रॉफी को आप एक साइड में कर दें फिर भी आप आईपीएल को देखें. आईपीएल में दुनिया के सारे टॉप प्लेयर्स आकर खेलते हैं. इंडियन प्लेयर्स किसी लीग में जाकर नहीं खेलते. सभी बोर्ड को ये करना चाहिए कि अपने जो प्लेयर्स हैं उन्हें आईपीएल में भेजना छोड़ दें. अगर आप किसी लीग के लिए अपने खिलाड़ियों को जाने नहीं देते तो दूसरे बोर्ड को भी स्टान्स तो लेना चाहिए ना. दुनिया के तमाम बड़े क्रिकेटर्स आईपीएल में खेलते हैं. कई बार तो विदेशी प्लेयर्स नेशनल की बजाय आईपीएल मैचों को तवज्जों देते हैं. आईपीएल के आलावा दुनिया भर में कई अन्य टी20 लीग खेली जाती है. लेकिन बीसीसीआई अपने प्लेयर्स को अनुमति नहीं देता कि वह उन लीग में जाकर खेल सके. कोई भारतीय खिलाड़ी रिटायरमेंट के बाद (आईपीएल से भी) ही किसी विदेशी लीग में खेल सकता है. पाकिस्तान की बात करें तो उनके प्लेयर्स का आईपीएल में खेलना प्रतिबंधित है. हालांकि टूर्नामेंट के पहले संस्करण में कई पाकिस्तानी प्लेयर्स खेले थे लेकिन मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद से आईपीएल में पाकिस्तानी प्लेयर्स के खेलने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया.

मोहम्मद रिजवान की छुट्टी तय?

अब ये ऑलराउंडर बन सकता है पाकिस्तान का नया कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान टीम में बड़े बदलाव देखे जाने संभव हैं. मोहम्मद रिजवान की कप्तानी भी संदेह के घेरे है. अब एक नई रिपोर्ट अनुसार बहुत जल्द रिजवान को टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है. रिजवान को अक्टूबर 2024 में पाकिस्तान की व्हाइट बॉल टीमों का कप्तान नियुक्त किया गया था, लेकिन वो चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में शायद पीसीबी की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं. पाकिस्तान के एक सीनियर जर्नलिस्ट एजाज वसीम बाखरी अनुसार फिलहाल पाक टीम के सभी खिलाड़ी पीसीबी के रेडार पर हैं. वहीं बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन रजा नकवी ने मोहम्मद रिजवान को टी20 टीम की कप्तानी से मुक्त करने का फैसला ले लिया है. अटकलें हैं कि रिजवान, न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तानी नहीं करेंगे. बताया जा रहा है कि बहुत जल्द ऑलराउंडर शादाब खान को टी20 टीम की कमान सौंपी जा सकती है.

तमन्ना ने क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी

केस दर्ज करवाने की दी चेतावनी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने 2.4 करोड़ रुपये के क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। वह इन झूठे दावों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने उन रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिनमें कहा गया है कि उन्हें 2.4 करोड़ रुपये के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले में पुडुचेरी पुलिस द्वारा तलब किया जा सकता है। दावों को फर्जी और भ्रामक बताते हुए अभिनेत्री ने आश्वासन दिया कि वह ऐसी झूठी रिपोर्टों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

क्या है पूरा मामला

शुक्रवार (28 फरवरी) को कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि तमन्ना और अभिनेत्री काजल अग्रवाल से कथित क्रिप्टोकरेंसी स्कीम के संबंध में पूछताछ की जा सकती है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से उनकी संलिप्तता के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

आरोपों पर क्या बोलीं तमन्ना

तमन्ना ने साक्षात्कार में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मेरे ध्यान में आया है कि मेरे क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े होने और उससे जुड़े होने का आरोप लगाते हुए अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वे ऐसी कोई भी फर्जी, भ्रामक और झूठी रिपोर्ट और अफवाहें न फैलाएं। उन्होंने कहा, इस बीच मेरी टीम उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए इस पर विचार कर रही है।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल, पुडुचेरी के मूलकुलम के पूर्व सैनिक अशोकन ने कोयंबटूर स्थित एक फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसकी स्थापना 2022 में हुई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजना में उनके साथ धोखाधड़ी की गई। अशोकन ने दावा किया कि उन्होंने 1 करोड़ रुपये का निवेश किया और अपने 10 दोस्तों को कुल 2.4 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए राजी किया।

काजल की प्रतिक्रिया का इंतजार

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वह कंपनी के लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां तमन्ना मौजूद थीं और बाद में महाबलीपुरम में एक अन्य समारोह में शामिल हुए, जहां काजल मुख्य अतिथि थीं। कहा गया था कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक निवेशकों को 10 लाख से 1 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें उपहार में दी गईं। पुलिस अधिकारियों ने कथित तौर पर काजल और तमन्ना से स्पष्टीकरण मांगा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे केवल कंपनी के कार्यक्रमों का प्रचार कर रही थीं या उनकी कोई वित्तीय भागीदारी भी थी।

जिगरा में आलिया के साथ हर फ्रेम यादगार था

हर इंडस्ट्री में काम करना चाहूंगा

वेदांग रैना एक उभरते हुए एक्टर हैं, जो सिंगिंग और एक्टिंग दोनों के लिए चर्चा में हैं। उन्होंने द आर्चीज से शुरुआत की और फिल्म जिगरा में भी दिखे। अब उनकी जिगरा हाल ही में स्टारगोल्ड पर आई। इसे टीवी पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इसे लेकर उन्होंने खास बातें शेयर कीं.... मैंने बहुत सारे ऑडिशन दिए हैं, खासकर लॉकडाउन के दौरान। मैंने कभी गिनती नहीं की लेकिन शायद 40-50 तो होंगे। मैंने उन ऑडिशंस को अपने यूट्यूब चैनल पर भी डाला ताकि मैं खुद को परख सकूं। यह मेरे लिए एक लर्निंग प्रोसेस था। अगर मैं एक्टर नहीं बन पाता तो कोई बिजनेस करता। हां, मैं दूसरी स्किल्स भी सीख रहा था, जैसे सिंगिंग और डांसिंग। मैंने 9-10 साल की उम्र से ही गायकी की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी थी। उससे पहले मैंने गिटार भी सीखा था। मैं अपने स्कूल के बैंड में बैकग्राउंड सिंगर था। धीरे-धीरे मेरा सिंगिंग का सफर शुरू हुआ। आलिया के साथ हर फ्रेम मेरे लिए यादगार था। मेरे किरदार अंकुर और सत्या के रिश्ते को लेकर जो तैयारियां थीं, वह भी मेरे लिए बहुत खास थीं। जिगरा में मैंने आलिया से बहुत कुछ सीखा। रियल लाइफ में जो जज्बात होते हैं बहन को लेकर वह सब मैंने किरदार की स्किन में जाने के लिए इस्तेमाल किए।

साउथ में बहुत अच्छा सिनेमा बन रहा, बायोपिक फिल्में भी करनी हैं...

मैं साउथ और हॉलीवुड दोनों में काम करना चाहता हूं। साउथ में अच्छा सिनेमा बन रहा। हॉलीवुड तक जाना मेरा भी एक सपना है। अभी तो मैंने सिर्फ दो फिल्मों में ही काम किया है। मैं हिस्टोरिकल और बायोपिक फिल्में भी करना चाहता हूं।

एक्टर राहुल बोस ने किया खुलासा

अमरन देखते हुए 10-11 बार रोए

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की फिल्म 'अमरन' में मेजर मुकुंद वरदराजन के कमांडिंग ऑफिसर की भूमिका निभा रहे बॉलीवुड अभिनेता राहुल बोस ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह फिल्म देखते समय इतने भावुक हो गए थे कि 10-11 बार रोए। फिल्म के 100 दिन पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में राहुल बोस ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने ऐसी कोई फिल्म देखी है जो एक्शन और प्यार के बीच की कड़ी को इतनी बारीकी से दर्शाती हो। वास्तव में शानदार एक्शन सीक्वेंस और एक बहुत ही आकर्षक प्रेम कहानी को निभाना बहुत मुश्किल काम है। राजकुमार, आपने इसे बखूबी निभाया। आपने न केवल इसे बखूबी निभाया, बल्कि आपने इसे सटीकता और धैर्य के साथ, शांति और एक गहरे आत्मविश्वास के साथ किया। आपके सामने एक बड़ा भविष्य है। इसके बाद उन्होंने कहा, शिवकार्तिकेयन, आपके एक्टिंग में बहुत सच्चाई है। अगर कोई कैमरे पर सच्चा है, तो आप उसे देखते रहते हैं। जैसे ही वे झूठे हो जाते हैं, आपकी नजरें उनसे हट जाती हैं। इसके बाद राहुल बोस ने शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी दोनों के बारे में बात की। आप दोनों - साई पल्लवी और शिवकार्तिकेयन। इस फिल्म को देखना अद्भुत है जिसे आपके रिलेशनशिप ने एक साथ जोड़ दिया है और एक पन्ने से कहीं आगे ले गया है। मैं फिल्म के दौरान कम से कम 10-11 बार रोया और मैंने इसे दो बार देखा, जो बहुत कम होता है. उन्होंने कहा, साई पल्लवी, मुझे यहां खड़े होकर मुंहदेखी बात कहने की जरूरत नहीं है।

टीवी एक्ट्रेस सारा खान बनीं प्रोड्यूसर

सिंगल सॉन्ग के जरिए की एक नई शुरुआत

बॉलीवुड में कई एक्ट्रेस एक समय के बाद बतौर प्रोड्यूसर भी काम करने लगती हैं। अपने प्रोडक्शन हाउस तले फिल्में बनाती हैं। इस लिस्ट में कृति सेनन और अनुष्का शर्मा जैसे नाम हैं। अब इन्हीं की राह पर टीवी एक्ट्रेस सारा खान भी चल पड़ी हैं, वह भी अब प्रोड्यूसर बन चुकी हैं।

➲प्रोडक्शन तले बनाया एक गाना

हाल ही में सारा खान बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर अब काम कर रही हैं। अपने बैनर तले एक सॉन्ग 'डर डर जाऊं' भी उन्होंने बनाया है। यह गाना सारा के दिल में एक खास जगह रखता है।

➲पहले प्रोजेक्ट में क्या खास है

अपने प्रोडक्शन तले नए गाने 'डर डर जाऊं' के बारे में सारा खान कहती हैं, 'गना 'डर डर जाऊं' एक रोमांटिक ट्रैक है, इस गाने में प्यार के साथ डर जैसे इमोशन भी हैं। बतौर प्रोड्यूसर काम करने की यह गाना एक सही शुरुआत है।' इस गाने में सारा के साथ कृष पाठक नजर आएंगे।

➲आज भी बिदाई सीरियल से पहचानी जाती हैं सारा

सारा खान सीरियल 'सपना बाबुल का बिदाई' में एक लंबे समय तक नजर आईं। आज भी वह इस सीरियल के कारण जानी जाती हैं। साथ ही 'बिग बॉस 4' के कारण भी वह चर्चा में आई थीं। लंबे समय तक वह इस रियालिटी शो में बनी रहीं। बाद में कंगना रनौत के रियालिटी शो 'लॉकअप' में भी दिखी थीं। इस साल सारा खान दो फिल्में कर रही हैं, एक है शैला और दूसरी है कैंप डिसेंट। इन फिल्मों में सारा के किरदार काफी हटकर होने वाले हैं।

लुका छुपी के छह साल पूरे होने पर कार्तिक आर्यन ने किया सेलिब्रेट

कार्तिक आर्यन और कृति सेनन स्टारर रोमांटिक कॉमेडी लुका छुपी छह साल पहले रिलीज हुई थी। इस खास उपलब्धि को याद करते हुए एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट लिखा है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर फिल्म के कुछ अनमोल पलों का एक वीडियो संकलन पोस्ट किया और लिखा, लुका छुपी के छह साल, मेरी पसंदीदा रोम-कॉम मूवी और म्यूजिक एल्बम में से एक...। गुड्डू और रश्मि को अपने दिलों में एक खास जगह देने के लिए धन्यवाद और यह मेरे होमटाउन ग्वालियर में शूट की गई मेरी पहली फिल्म होने के कारण और भी खास थी...। आपके प्यार के लिए हमेशा आभारी रहूंगा!

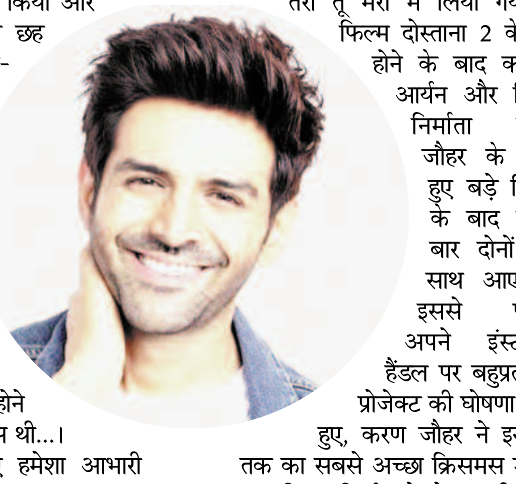

लुका छुपी विनोद गुड्डू शुक्ला (कार्तिक आर्यन) के बारे में है, जो जिद्दी लड़की रश्मि त्रिवेदी (कृति सेनन) के प्यार में पड़ जाता है। गुड्डू शादी करना चाहता है जबकि रश्मि लिव-इन रिलेशनशिप का सुझाव देती है। वे लिव-इन रिलेशनशिप को आजमाने का फैसला करते हैं जबकि उनके दोनों पारंपरिक परिवार मान लेते हैं कि वे शादीशुदा हैं और उनके साथ रहना शुरू कर देते हैं। मैडॉक फिल्म्स के सहयोग से जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म में संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। ज्ञात हो कि 1 मार्च 2019 को रिलीज लुका छुपी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही थी। इसके बाद, कार्तिक आर्यन को धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में लिया गया है। फिल्म दोस्ताना 2 के बंद होने के बाद कार्तिक आर्यन और फिल्म निर्माता करण जौहर के बीच हुए बड़े विवाद के बाद पहली बार दोनों एक साथ आए थे। इससे पहले, अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए, करण जौहर ने इसेअब तक का सबसे अच्छा क्रिसमस उपहार कहा था। फिल्म निर्माता ने घोषणा की कि तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी 2026 में सिनेमाघरों में पहुंचेगी। समीर विदवान के निर्देशन में बनी इस फिल्म को करण जौहर ने अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा के साथ मिलकर बनाया है। धर्मा प्रोडक्शंस नमह पिक्चर्स के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहा है।

दुलकर सलमान की नई फिल्म का एलान

साउथ सुपरस्टार दुलकर सलमान का नई फिल्म का एलान आज, 1 मार्च को हो गया है। अभिनेता ने अपनी नई फिल्म के बारे में बीते दिन अपडेट साझा कर बताया था कि वह 1 मार्च को नई फिल्म का नाम और पहला पोस्टर जारी करेंगे और उन्होंने आज ऐसा कर दिया। उन्होंने अपनी नई फिल्म के शीर्षक से भी पर्दा उठा दिया है। दुलकर सलमान अगली बार आई एम गेम में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में दुलकर सलमान के हाथों को दिखाया गया है, जिसमें एक हाथ जख्मी है और उस पर पट्टी बंधी हुई है तो वहीं, दूसरे हाथ में घड़ी पहने दुलकर ने ताश का पत्ता पकड़ा हुआ है, जो गेम की ओर इशारा कर रहा है। फिल्म का पोस्टर इसके शीर्षक आई एम गेम से मेल खा रहा है।

मलयालम सिनेमा में दुलकर की वापसी

इस फिल्म के जरिए दुलकर सलमान फिर एक बार मलयालम सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले वह किंग ऑफ कोठा में नजर आए थे, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस फिल्म से भी ऐसी ही उम्मीद जताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन आरडीएक्स फेम नाहास हिदायत करेंगे। इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी आनी बाकी है।

अभिनेता की 40वीं फिल्म

यह दुलकर सलमान की 40वीं फिल्म है। अभिनेता को आखिरी बार लक्की भास्कर में देखा गया था। वेंकी एटलुरी द्वारा निर्देशित तेलुगु भाषा की क्राइम ड्रामा में उन्हें एक मध्यम वर्गीय बैंकर की भूमिका में देखा गया, जो रोजमर्रा की परेशानियों से जूझ रहा था। वहीं, अब एक बार फिर वह अपने दमदार अंदाज में वापस आ गए हैं।

विद्या बालन ने सोशल मीडिया पोस्ट करके लोगों को अलर्ट किया

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने फैंस, ऑडियंस को एक एआई स्कैम से अलर्ट रहने को कह रही हैं। विद्या बालन को पता चला कि उनके फेक वीडियो एआई से बनाकर गलत जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। इस बात की जानकारी और वो नकली एआई वीडियो भी विद्या बालन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है।

विद्या बालन ने एआई से बनाए गए अपने फेक वीडियो का एक सैंपल भी फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। साथ ही एक लंबा मैसेज भी लिखा है, जिसमें विद्या लिखती हैं, 'सोशल मीडिया, व्हाट्सएप पर इस समय कई वीडियो शेयर हो रहे हैं, जिनमें मैं दिख रही हूं। लेकिन मैं यह साफ कर देना चाहती हूं कि ये वीडियो एआई (AI) से बनाए गए हैं और बिल्कुल गलत हैं।'

रजनीकांत की कुली में पूजा की एंट्री

रजनीकांत की आगामी फिल्म है कुली। लोकेश कनगराज इसका निर्देशन कर रहे हैं। एलान के बाद से ही यह फिल्म काफी चर्चा में है। अब इसकी स्टारकास्ट में एक चर्चित साउथ अभिनेत्री का नाम जुड़ गया है। वह अभिनेत्री हैं पूजा हेगड़े। फिल्म कुली में पूजा हेगड़े की एंट्री की जानकारी मेकर्स ने दी है। बाकायदा उनकी पहली झलक भी साझा की गई है।

मेकर्स ने जारी किया पोस्टर

इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने के साथ-साथ लोकेश कनगराज ने फिल्म की कहानी भी लिखी है। इस फिल्म में नागार्जुन, सत्यराज, श्रुति हासन और सौबिन शाहिर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। अब कुली में अभिनेत्री पूजा हेगड़े की एंट्री हो गई है। मेकर्स ने पोस्टर जारी करते हुए टीम में पूजा हेगड़े का स्वागत किया है। साथ में लिखा है, हां, आपने सही अनुमान लगाया। कुली के सेट से पूजा हेगड़े।

इस साल रिलीज होगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान भी नजर आएंगे। फिल्म में उनका कैमियो होने की खबर है। इससे पहले खबर आई थी कि शाहरुख खान या रणवीर सिंह कुली में एक खास भूमिका निभाएंगे, लेकिन ऐसी खबरें अफवाह ही साबित हुईं।

फिल्म कुली इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

यूजर्स से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया

कुली में पूजा हेगड़े की एंट्री पर यूजर्स खुशी जता रहे हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों की काफी उम्मीदे हैं। पूजा हेगड़े के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म देवा में देखा गया। इस फिल्म में उनकी जोड़ी शाहिद कपूर के साथ जमी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हैक

फैंस को दी चेतावनी

मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपने प्रशंसकों को जानकारी दी है कि उनका एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। उन्होंने फैंस को अकाउंट पर किए गए किसी पोस्ट या मैसेज या लिंक पर ध्यान न देने को लेकर चेतावनी भी दी है। शनिवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि कई कोशिशों के बावजूद वह अपना अकाउंट वापस नहीं ले पाई हैं।

अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, सभी प्रशंसकों और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सिर्फ कुछ ऑटो-जवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। कृपया उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर भरोसा करें। ये सभी फर्जी और धोखाधड़ी वाले लिंक हैं।

अगर मेरा अकाउंट वापस मिल जाता है और सुरक्षित होता है, तो मैं खुद वीडियो के जरिए इसकी जानकारी दूंगी। इस बीच, श्रेया घोषाल हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोटापे के खिलाफ मुहिम का समर्थन करने को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने एक वीडियो साझा कर कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंटी-ओबेसिटी (मोटापा विरोधी) अभियान शुरू किया है। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके लिए हमें अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। आइए, सही खान-पान अपनाने की शपथ लें, तेल और चीनी का सेवन कम करें, पोषण से भरपूर और मौसमी भोजन खाएं, और बच्चों को भी पौष्टिक आहार दें। अच्छी सेहत ही असली संपत्ति है।

इसलिए, छोटे-छोटे बदलाव करके हम देश में बड़ा असर ला सकते हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे एंटीओबेसिटी फाइटओबेसिटी अभियान का हिस्सा बनने पर गर्व है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दे रहा है। आइए, एक स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं, क्योंकि यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत होगी। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने फिल्म जगत से अभिनेता मोहनलाल, आर. माधवन, निरहुआ और गायिका श्रेया घोषाल को इस अभियान में शामिल होने के लिए नामांकित किया।

साभार एजेंसी